M/s. SHANTA SERVICE STATION
Bharat Petroleum
Quality & Quantity
Powai Chowk, Behind Shreeram Cinema, Ulhasnagar-4.
Tel.: 0251-2584077
Pure for Sure

सिर्फ 2 रू.
ठाणे जिले का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
दैनिक धनुषधारी
संस्थापक प्रधान संपादक स्व. श्री दिलीप जे. लालवानी

वर्ष-33, अंक 86, उल्हासनगर, रविवार 8 मार्च 2026 (पृष्ठ 6) | Mob. No. 9325937797 | E-mail Add.:- newsddd@gmail.com dailydhanushdhari@yahoo.com | Post Regd No.THC/111/2024-2026 RNI No. 68359/93,

dhanushdharinews | Dhanushdhari | DhanushdhariN | Website - www.dailydhanushdhari.com

प्राचीन शिव मंदिर के सुशोभीकरण को लेकर उल्हासनगर मनपा ने की तोडू कार्रवाई

❑ जोरदार विरोध प्रदर्शन, पुलिस का लाठीचार्ज / ❑ पथराव में गर्भवती महिला हुई घायल

उल्हासनगर (नि.स.)। उल्हासनगर एवं अंबरनाथ की सीमा पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर के सुशोभीकरण कार्य को लेकर एकता नगर इलाके में शनिवार 7 मार्च को उल्हासनगर महानगर पालिका द्वारा बड़ी तोड़क कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही के दौरान 30 घरों को हटाने की प्रक्रिया शुरू होते ही स्थानीय रहवासियों ने इसका भरपूर विरोध जताया और वहां जमकर हंगामा दिखा। आलम यह रहा कि आक्रोशित लोगों को वहां से हटाने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इस दौरान हुए पथराव में एक गर्भवती महिला घायल हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उल्हासनगर मनपा की तोडू कार्रवाई की टीम शनिवार सुबह पुलिस के कड़े बंदोबस्त के साथ मौके पर पहुंची। जैसे ही घरों को तोड़ने की कार्यवाही शुरू हुई, वहां मौजूद नागरिकों ने इसका जमकर जोरदार विरोध किया। उनका कहना था कि पहले उन्हें रहने का वैकल्पिक जगह उपलब्ध करवाया जाए और उन्हें पुनर्वसित करने के लिए लिखित आश्वासन दिया जाए। बिगड़ते हालात को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात किया गया था ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। मगर जब आक्रोशत लोगों का हंगामा बढ़ता गया तब पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। वहीं एक महिला तो जबरन वहां ट्रक में जा चढ़ी जिन्हें नीचे उतारने में पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं स्थानीय लोगों के साथ पुलिसकर्मियों की धक्का मुक्की भी हुई। इस संबंध में मनपा के सहायक आयुक्त गणेश शिंपी ने बताया कि जिन घरों पर कार्रवाई की जा रही है उन्हें करीब एक साल पहले ही नोटिस जारी कर दी गई थी। बावजूद इसके लोगों ने घर खाली नहीं किया जिसके कारण आज पुलिस बंदोबस्त के साथ यह कार्रवाई करनी पड़ रही है।

कुल 31 कंस्ट्रक्शन को उमनपा ने हटाया

अंबरनाथ नगर परिषद ने अंबरनाथ में प्राचीन शिव मंदिर इलाके को विकसित करने का प्रोजेक्ट शुरू किया है। इस प्रोजेक्ट के तहत, उल्हासनगर जाने वाली मौजूदा सड़क पर मेन ब्रिज से आगे वालधुनी नदी के किनारे के सीवेज ड्रेन को डायवर्ट करने के लिए, उल्हासनगर मनपा प्रभाग समिति क्रमांक 4 इलाके में कुल 31 कच्चे और पक्के कंस्ट्रक्शन विकास के काम से प्रभावित हो रहे हैं। इसलिए शनिवार दिनांक 7 मार्च को, प्रभाग समिति क्रमांक 4 के इलाके में शिव मंदिर के पास, एकता नगर, कैलाश कॉलोनी, उल्हासनगर-421005 में कुल 31 कंस्ट्रक्शन, जिनमें 30 पक्के कंस्ट्रक्शन (मकान) और 1 दुकान शामिल हैं, को हटा दिया गया है। उल्हासनगर मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले के मार्गदर्शन के मुताबिक, प्रभाग समिति क्रमांक 4 की सहायक मनपा आयुक्त अलका पवार ने पुलिस सुरक्षा के साथ कार्रवाई को अंजाम दी है। इस कार्रवाई के दौरान प्रभाग समिति क्रमांक 2 के सहायक मनपा आयुक्त गणेश शिंपी के साथ ही पुलिस प्रशासन के अधिकारी/कर्मचारी मौजूद थे। इस बात की जानकारी मनपा की सहायक आयुक्त अलका पवार ने दी।

'महाराजस्व समाधान शिविर' को मिला उत्स्फूर्त प्रतिसाद

'वन डे डिलीवरी' के माध्यम से सरकारी सेवाएं जनता के द्वार

अंबरनाथ (नि.स.)। छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर नागरिकों की राजस्व संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए अंबरनाथ तहसील कार्यालय द्वारा आयोजित 'छत्रपति शिवाजी महाराज राजस्व समाधान शिविर – चरण 1' को नागरिकों का जबरदस्त प्रतिसाद मिला। महात्मा गांधी विद्यालय में आयोजित इस शिविर में 'वन डे डिलीवरी' की संकल्पना के तहत 100 से अधिक नागरिकों को विभिन्न शासकीय प्रमाणपत्र तत्काल प्रदान किए गए। यह विशेष उपक्रम ठाणे जिलाधिकारी श्रीकृष्णनाथ पांचाल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस शिविर का उद्घाटन ठाणे के अपर जिलाधिकारी हरिश्चंद्र पाटिल के हाथों किया गया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्टॉलों का दौरा कर प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। पाटिल ने राजस्व विभाग को अधिक कार्यक्षम रहने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रशासन द्वारा नागरिकों के द्वार तक सेवाएं पहुंचाना ही इस उपक्रम का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार के जनकल्याणकारी निर्णयों के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ राजस्व प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और सरलता लाने पर भी जोर दिया।

उल्हासनगर उपविभागीय अधिकारी विजयानंद शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस शिविर में आय, जाति, निवास तथा नॉन-क्रीमी लेयर जैसे विभिन्न प्रमाणपत्रों का वितरण 'सिंगल विंडो' प्रणाली के माध्यम से किया गया। इसमें 25 आय प्रमाणपत्र, 10 जाति प्रमाणपत्र तथा संजय गांधी निराधार योजना के 5 लाभार्थियों सहित कुल 100 से अधिक नागरिकों को मौके पर ही लाभ प्रदान किया गया। इसके अलावा आदिवासी समाज के फेरफार तथा वारस नोंदणी से संबंधित मामलों का भी निपटारा किया गया। यह शिविर पूरी तरह निशुल्क था और आने वाले समय में कुंभारली, कुलगांव, बदलापुर और गोरेगांव मंडलों में भी ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर नायब तहसीलदार दीपक अनारे, भूमि अभिलेख उपअधीक्षक सुवर्णा पाटिल तथा अन्य जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

'एक साल में 25 लाख बहनें बनेंगी लखपति दीदी'

मुंबई (नि.स.)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को विधानसभा में साल 2026-27 के लिए महाराष्ट्र राज्य का बजट पेश किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने महिलाओं की भलाई के लिए भी बड़े ऐलान किए। लाडली बहन योजना को जारी रखने के साथ-साथ उन्होंने लखपति दीदी, महिला स्वयं सहायता समूह और अकेली महिलाओं के लिए भी बड़े ऐलान किए हैं। बजट के दौरान महिला समुदाय से जुड़ी योजनाओं पर बात करते हुए फडणवीस ने ऐलान किया, 'अब तक महाराष्ट्र ग्रामिण जीवनोन्नती अभियान के तहत करीब 37 लाख 'लखपति दीदी' बनाई जा चुकी हैं। अब 2026-2027 में और 25 लाख बहनों को 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य है।' इसके अलावा, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'लडली बहन' योजना को जारी रखने पर भी बात की।

मध्यवर्ती अस्पताल में डिलीवरी के तुरंत बाद बर्थ सर्टिफिकेट की सुविधा

उल्हासनगर (नि.स.)। नवजात बच्चे के जन्म के बाद कागजी काम के चक्कर में फंसे माता-पिता की बड़ी भीड़ अब कई हद तक खत्म हो जाएगी। दरअसल उल्हासनगर के सरकारी जिला अस्पताल में डिलीवरी के बाद मां के डिस्चार्ज होने के दौरान बच्चे का अधिकृत बर्थ सर्टिफिकेट जारी करने की एक नई सुविधा शुरू की गई है। जिला सर्जन डॉ. मनोहर बनसोडे ने यह जानकारी दी और अस्पताल प्रशासन द्वारा नागरिकों के हित में लिए गए फैसले की घोषणा की। अभी तक, माता-पिता को बर्थ सर्टिफिकेट बनवाने के लिए बार-बार महानगरपालिका या संबंधित सरकारी कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते थे। जरूरी कागजात इकट्ठा करने, एप्लीकेशन प्रोसेस पूरा करने और ऐसा करने में लगने वाले समय के कारण, नई मांओं और उनके परिवारों को मानसिक और शारीरिक परेशानी उठानी पड़ती थी।

अक्सर, नवजात बच्चे के साथ कार्यालय के चक्कर लगाना परिवार के लिए एक बड़ी एक्सरसाइज होती थी। लेकिन, अब अस्पताल प्रशासन बर्थ रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को अस्पताल में ही तुरंत पूरा करने के लिए एक अच्छा सिस्टम बनाया है। डिलीवरी के बाद, बच्चे की सारी जानकारी कंप्यूटर सिस्टम में रिकॉर्ड की जाती है और एक अधिकृत बर्थ सर्टिफिकेट तैयार किया जाता है और माँ के डिस्चार्ज के समय सीधे माता-पिता को सौंप दिया जाता है। इससे समय, मेहनत और पैसे की बचत होती है और लोगों का प्रशासन पर भरोसा और मज़बूत हो रहा है। यह फैसला सरकारी सेवाओं को ज़्यादा पारदर्शी, तेज़ और लोगों के लिए बेहतर बनाने के लिहाज़ से अहम साबित हो रहा है। अस्पताल प्रशासन बर्थ और डेथ रजिस्ट्रेशन सेवाओं को आसान बनाने के लिए लगातार कोशिश कर रहा है, और ज़रूरी कागजात एक ही छत के नीचे देने की दिशा में उठाया गया यह कदम निश्चित रूप से बहुत अच्छा माना जा रहा है।

माता-पिता को सरकारी प्रक्रिया के चक्कर में फंसाना ठीक नहीं- मनोहर बनसोडे

जिला सर्जन मनोहर बनसोडे कहते हैं कि 'नए बच्चे का जन्म हर परिवार की ज़िंदगी का सबसे खुशी का पल होता है। हमारा मानना है कि खुशी के उस पल में माता-पिता को सरकारी प्रक्रिया के चक्कर में फंसाना ठीक नहीं है। इसीलिए हमने डिलीवरी के बाद माँ के डिस्चार्ज के समय बच्चे का अधिकृत बर्थ सर्टिफिकेट जारी करने का फैसला किया है। इस पहल से नई माँओं और उनके परिवारों को बहुत राहत मिलेगी, समय और मेहनत बचेगी। हमारा अस्पताल सरकारी सेवाओं को ज़्यादा पारदर्शी, तेज़ और नागरिकों के लिए बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है'.

पैनल 15 में पानी को लेकर हुई वर्षों की राजनीति से बिगड़ी व्यवस्था
अब चारों नगरसेवकों ने मिलकर की है सुधार की शुरुआत -अरुण आशान

उल्हासनगर (नि.स.)। उल्हासनगर के पैनल नंबर 15 में लंबे समय से चली आ रही पानी की समस्या को लेकर पैनल 15 के नवनिर्वाचित शिवसेना नगरसेवक अरुण आशान ने पूर्व नगरसेवकों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्षों से पैनल में जमे कुछ पूर्व जनप्रतिनिधियों ने पानी जैसी मूलभूत सुविधा को लेकर राजनीति की, जिसके कारण आज पैनल 15 के कई इलाकों में पानी की आपूर्ति की स्थिति अत्यंत खराब हो चुकी है। अरुण आशान ने कहा कि पैनल 15 के कई क्षेत्रों में पानी की सप्लाई बेहद अनियमित है। कुछ इलाकों में एक दिन छोड़कर एक दिन पानी आता है, जबकि कई स्थानों पर तो सिर्फ 10 से 15 मिनट के लिए ही पानी की आपूर्ति होती है। उन्होंने बताया कि सेक्शन 27, 28 और 29 के बैरकों में लगभग 80 से अधिक वॉल्व (वाल) खराब स्थिति में हैं। इलाके के ऊपर-नीचे होने और तकनीकी गड़बड़ियों के कारण कई जगहों पर न तो ऊपर के हिस्सों तक पानी पहुंच पा रहा है और न ही नीचे के इलाकों तक। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बाजार क्षेत्र में स्थित मुख्य वॉल्व के ऑपरेशन सिस्टम के साथ छेड़छाड़ की गई है। इसके अलावा पांच नंबर लाइन से आने वाले पानी को कुछ क्षेत्रों में जानबूझकर डायवर्ट कर रोक दिया गया। अरुण आशान का कहना है कि यह सब कुछ पूर्व में प्रभावशाली रहे कुछ नेताओं द्वारा अपने स्वार्थ के लिए किया गया, ताकि पानी की सप्लाई को नियंत्रित कर राजनीति की जा सके।

अरुण आशान ने कहा कि पैनल 15 में खुद को बड़े नेता बताने वाले लोगों के कार्यकाल में पानी जैसी मूलभूत सुविधा की हालत चरमरा गई, लेकिन अब स्थिति को सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि नगरसेवक बनने के तुरंत बाद उन्होंने महापौर और मनपा आयुक्त को पैनल 15 का दौरा करवाया, जिसके बाद पानी की समस्या के समाधान के लिए नई पाइपलाइन बिछाने और मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है और आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ सकता है, ऐसे में नागरिकों को पानी की परेशानी न हो इसके लिए शिवसेना के सभी जनप्रतिनिधि सक्रिय होकर काम कर रहे हैं। पैनल 15 की चर्मराई हुई जल व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए क्षतिग्रस्त पाइपलाइन और वॉल्व की मरम्मत का कार्य तेजी से शुरू किया गया है। श्री आशान ने बताया कि पैनल 15 के चारों नगरसेवक जिसमें वे खुद, काजल अमर जग्यासी, इंदिरा निखिल पाटिल और संगीता नितिन सापकाले मिलकर इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रयासरत हैं। आने वाले समय में वसीटा कॉलोनी, महादेव नगर, संतोष नगर, 14 कॉलोनी और गणेश नगर बैरक क्षेत्र में पानी की सभी लाइनों की मरम्मत और व्यवस्था को सुधारने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य है कि आने वाले एक वर्ष के भीतर पैनल 15 के नागरिकों को उनके हिस्से का पूरा पानी मिल सके और वर्षों से चली आ रही परेशानी समाप्त हो।

अरुण आशान ने आरोप लगाया कि जिन लोगों को अपने कार्यकाल में विकास कार्य करना चाहिए था, वे अब अफवाहें फैलाने का काम कर रहे हैं, लेकिन जनता ऐसे लोगों को पहले ही जवाब दे चुकी है। अंत में उन्होंने कहा कि इस कार्य में चारों नगरसेवकों के साथ-साथ शिवसेना के युवा नेता रवि वसीता, निलेश बोबड़े, कमल पंजाबी, विक्की गुरनानी, सूरज कारकर , प्रदीप नागदेव, लोकेश खैरालिया, राजू सोनावणे सहित शिवसेना की पूरी टीम क्षेत्र में जल व्यवस्था को सुधारने के लिए लगातार काम कर रही है। नगरसेवक अरुण आशान ने भरोसा दिलाया कि पैनल 15 में पानी की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए व्यापक स्तर पर काम शुरू हो चुका है और जल्द ही नागरिकों को राहत मिलेगी।

राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के मौके पर 10 मार्च को अंबरनाथ में बड़ी

'सेफ्टी रैली', 500 से ज़्यादा कर्मचारी लेंगे हिस्सा

अंबरनाथ (नि.स.)। राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के मौके पर 'एडिशनल अंबरनाथ मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन' (आमा) ने 4 से 11 मार्च तक आधौगिक क्षेत्र में अलग-अलग जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए हैं। 'आमा' के अध्यक्ष उमेश तायडे और मार्ग कोऑर्डिनेटर सचिन दारवेकर ने बताया कि आधौगिक सुरक्षा की अहमियत बताने के लिए 10 मार्च की सुबह एमआईडीसी क्षेत्र में एक बड़ी 'सुरक्षा रैली' आयोजित की गई है। यह सुरक्षा रैली एमआईडीसी क्षेत्र के कृष्णा पैलेस- सुदामा होटल से शुरू होगी। रैली आधौगिक क्षेत्र की मुख्य सड़क से गुजरेगी और आनंद नगर के फायर स्टेशन पर एक खास कार्यक्रम के साथ खत्म होगी। इस अवसर पर अंबरनाथ आधौगिक क्षेत्र की अलग-अलग कंपनियों के 500 से ज़्यादा अधिकारी और कर्मचारी इस रैली में हिस्सा लेंगे और सुरक्षा का संदेश देंगे।

सुरक्षा सप्ताह के तहत, 17 और 18 मार्च को 'आमा' भवन में सुरक्षा पोस्टर, पेंटिंग और स्लोगन प्रतियोगिता भी आयोजित किए गए हैं। इन प्रतियोगिता में 500 से ज़्यादा प्रतिभागी हिस्सा लेंगे, और सबसे अच्छे परफॉर्मेंस के विजेताओं को संस्था की तरफ से इनाम दिया जाएगा। अध्यक्ष उमेश तायडे ने कहा कि इन एक्टिविटीज़ का मुख्य मकसद आधौगिक क्षेत्र में काम करने का सुरक्षित माहौल बनाना और कर्मचारियों में जागरूकता बढ़ाना है।

संपादकीय

तीसरे विश्वयुद्ध के बादल

अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच युद्ध जल्दी नहीं थमा तो इसके भयावह तीसरे विश्वयुद्ध में बदलने में ज्यादा देर नहीं है। क्योंकि यह लड़ाई ईरान बनाम 11 देशों में तो शुरू हो ही चुकी है। अब तीन यूरोपीय देशों ने भी लड़ाई में अमेरिका का साथ देने का ऐलान कर दिया है। दूसरी तरफ ईरान ने अपने सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खोमनेई और 28 टॉप लीडर के खात्मे का बदला लेने का ऐलान कर अमेरिका, इजराइल सहित मध्य पूर्व के उन अरब देशों पर भी हमले शुरू कर दिया है, जिनके यहां अमेरिका या दूसरे देशों के सैनिक अड्डे हैं। यानी इंतकाम की आग में जल रहा ईरान अब युद्ध को ज्यादा से ज्यादा देशों तक फैलाना चाहता है। उसकी रणनीति साफ है कि वह दूसरे देशों पर हमले कर अमेरिका और इजराइल पर हमला रोकने के लिए दबाव बनाना चाहता है। यह रणनीति फिलहाल तो सफल होती दिखाई दे रही है। क्योंकि जिन अरब देशों में अमेरिका के सैनिक अड्डे हैं, उन देशों की रक्षा में अमेरिका नाकाम रहा है। इससे जहां विश्व में मुस्लिम जगत शिया और सुन्नी में फिर से बंट गया है, वहीं यह संदेश भी जा रहा है कि अमेरिका इन देशों की प्रभावी रक्षा करने में या तो असमर्थ है या फिर उसे अपनी ही ज्यादा चिंता है। ऐसे में जल्द ही विश्व में नए भू राजनीतिक समीकरण होते दिखाई पड़ सकते हैं। खासकर वो 6 अरब देश सबसे ज्यादा चिंतित हैं, जो अपनी रक्षा के लिए पूरी तरह से अमेरिका पर ही निर्भर हैं और जिन्हें इस बात की कतई उम्मीद नहीं थी कि ईरान उन्हें अपने कोप का निशाना बनाएगा। ईरान उन पर ड्रोन और मिसाइल हमले कर यह जताना चाहता है कि वो चाहे तो इन अरबों की सम्पन्नता को एक झटके में खत्म कर सकता है। दूसरे, ईरान की रणनीति यह भी है कि मध्य पूर्व के इन देशों की आयल रिफाइनरीज को नष्ट कर उनकी दौलत की जड़ को ही खत्म कर दिया जाए। सऊदी अरब में दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी आरामको पर ईरान का ताजा हमला इसी बात की निशानी है। सऊदी सहित अन्य आधा दर्जन देशों की आर्थिकी का मूल आधार तेल ही है। यदि तेल भंडार ही खत्म हो गए तो उनके पास आय का कोई दूसरा बड़ा साधन नहीं है। इस संग्राम में अब यूरोपीय देशों का शामिल होना इस बात का इशारा है कि पानी सिर से गुजर चुका है। ये तमाम देश मिलकर ईरान पर हमलाकर वहां की कट्टरपंथी सरकार को खत्म करने की कोशिश करेंगे। हालांकि यह रणनीति कितनी सफल होगी, कहना मुश्किल है। इस वक्त ईरान के साथ रशिया, चीन और उत्तर कोरिया है। अगर ईरान पर हमले नहीं रूके तो वह उत्तर कोरिया से परमाणु हथियार लेकर उनका उपयोग भी कर सकता है। ऐसा हुआ तो दुनिया को खत्म होने में वक्त नहीं लगेगा। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान का नया नेतृत्व बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन ईरानी नेतृत्व ने साफ कर दिया है कि वो बात नहीं करेगा। इस बीच भारत ने पूरा विवाद आपसी बातचीत से हल करने का सुझाव दिया है। हालांकि इस पूरे प्रकरण में भारत की भूमिका न तीन में न तेरा में की है। इस पूरे घटनाक्रम के असली हीरो इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू हैं,जिन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान पर हमले के लिए तैयार किया। भारत के सामने संकट यह है कि युद्ध के कारण बाजार में तेल की कीमतें बढ़नी शुरू हो गई और सोना फिर आसमान छूने लगा है। युद्ध जल्द न रूका तो भारत में वस्तुओं के दाम बढ़ने लगेंगे। और जनअसंतोष बढ़ेगा।

संपादक,टीकम लालवानी

खामेनेई की मौत के बाद एकजुट हो रहा बिखरा हुआ ईरान!

संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़राइल ने मुख्य रूप से ईरान पर लगाम लगाने और उसे पंगु बनाने के उद्देश्य से एक सैन्य हमला शुरू किया, जिसका अंतिम लक्ष्य वहां सत्ता परिवर्तन करना था. हालांकि, युद्ध की ओर यह विनाशकारी झुकाव ईरान के धार्मिक नेतृत्व के लिए एक अप्रत्याशित अवसर प्रदान करता दिख रहा है. वहां का मौलवी नेतृत्व अब अपने उस जनाधार को फिर से मजबूत कर रहा है, जो कुछ साल पहले एक युवती की हिरासत में हुई मौत के बाद भड़के बड़े विरोध प्रदर्शनों के कारण डगमगा गया था. उस युवती को कथित तौर पर सिर पर स्कार्फ पहनने से इनकार करने के बाद हिरासत में लिया गया था.

बिलाल भट्ट

देशभर के युवा और युवतियां उस समय बेहद नाराज हो गए जब सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बेलगाम आक्रामकता दिखाई. ये विद्रोही युवा सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के नेतृत्व वाली सत्ता द्वारा उन पर थोपे गए सख्त धार्मिक नियमों को खारिज कर रहे थे. ईरान के सुरक्षा बलों ने इन आवाजों को दबाने के लिए बड़े पैमाने पर बल प्रयोग किया, जिससे कई लोग हताहत हुए. जो विरोध शुरुआत में आंतरिक और क्षेत्रीय शिकायतों के रूप में शुरू हुआ था, उसने देखते ही देखते एक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले लिया और बाद में अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया. इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरानी सरकार को निहत्थे नागरिकों के खिलाफ बल प्रयोग न करने की चेतावनी देने का अवसर मिल गया.

इन विरोध प्रदर्शनों की तीव्रता के बावजूद, विशेष रूप से जनवरी 2025 के हालिया प्रदर्शनों के दौरान, अमेरिका ने अपनी प्रतिक्रिया को केवल बयानबाजी तक ही सीमित रखा. अमेरिका ने उस समय कार्रवाई की जब उसके सामने कोई बड़ा खतरा नहीं था, सिवाय उस दावे के जिसका वे ढिंढोरा पीटते रहे हैं कि ईरान परमाणु हथियार बना रहा है. यदि डोनाल्ड ट्रंप ने उस समय हस्तक्षेप किया होता जब ईरानी जनता अपनी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रही थी, तो शायद वहां की जनता की प्रतिक्रिया अलग होती.

हालांकि, सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की अचानक और अप्रत्याशित हत्या, हमले के समय के लिहाज से एक रणनीतिक 'गलत गणना' प्रतीत होती है. सत्ता को गिराने के बजाय, ईरानी नेतृत्व पर हुए इन हमलों को ईरान की संप्रभुता पर हमले के रूप में पेश किया गया है. विडंबना यह है कि इन हमलों ने उस जनता को एकजुट कर दिया है जो पहले बंटी हुई थी, और उस शासन के प्रति समर्थन मजबूत कर दिया है जिसे कुछ महीने पहले दशकों की सबसे बड़ी घरेलू चुनौती का सामना करना पड़ा था. अधिकांश देशों के विपरीत, ईरान का सैन्य ढांचा काफी जटिल और कई मायनों में अस्पष्ट है. ये स्ट्रक्चर आपस में जुड़े हुए हैं, जिससे वे कभी-कभी

बाहरी ताकतों के लिए कमज़ोर हो जाते हैं. देश के सर्वोच्च नेता का तेहरान में 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' के मुख्यालय जैसे स्पष्ट स्थान पर पाया जाना और मारा जाना, उनके इसी ढांचे की एक विफलता है. खामेनेई और विभिन्न समूहों के अन्य सैन्य नेता अमेरिका और इजराइल के संयुक्त अभियान में मारे गए.

यह पूरा जाल समानांतर बलों की एक प्रणाली के माध्यम से काम करता है, जिन्हें एक-दूसरे की निगरानी और संतुलन बनाए रखने के लिए बनाया गया है. इस सुरक्षा प्रणाली के भीतर एक प्रमुख समूह ढ्ढत्रह्लष्ट है, जो 'बासिज' (ब्क्ष्ह्यद्बद्भ) नामक एक विंग चलाता है. इस विंग को तब सक्रिय किया जाता है जब देश संकट में होता है, ताकि असंतोष को नियंत्रित किया जा सके और जरूरत पड़ने पर शासन के लिए समर्थन जुटाया जा सके.

यह पूरा तंत्र एक जटिल और आपस में जुड़े मकड़जाल की तरह है, जिसे सुलझाना प्रतिद्वंद्वियों के लिए कठिन हो जाता है कि आखिर प्रत्येक समूह अपनी भविष्य की कार्रवाई और रणनीति कैसे तैयार करता है.

जैसा कि कहा जाता है, लोग काफी हद तक अपने देश की स्वीकृत वास्तविकता और वहां की प्रणालियों से अपना व्यवहार तय करते हैं. इसी तरह, ईरानी समाज बहुत ज्यादा बंटा हुआ तो है, लेकिन इसका अंदाज़ा नहीं लगाया जा सकता, यहां तक कि लिबरल लोग भी अक्सर 'मुश्किल समय' में धार्मिक राष्ट्रवाद का नारा लगाते हैं, ताकि कथित विदेशी हमले के खिलाफ सरकार के साथ एकजुटता दिखाई जा सके. वे आराम से और बिना किसी झिझक के उस शासन के लिए अपने समर्थन को सही ठहराते हैं, जिसका वे महीनों और सालों से विरोध कर रहे थे.

ईरान में महीनों और सालों तक बड़े पैमाने पर लोगों का इकट्ठा होना और उसके बाद हुए विरोध प्रदर्शन, साथ ही 'एक्सिस ऑफ़ रेजिस्टेंस' का खत्म होना, लुभावना था और जाहिर तौर पर शासन के गिरने का सही समय लग रहा था. पतन हो सकता था, शायद स्वाभाविक रूप से क्योंकि लोग उस दिशा में बढ़ रहे थे. हालांकि, ‍स ने इज़राइल के साथ मिलकर मिलिट्री एक्शन चुना और ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया. ‍स और इज़राइल को जो सबसे बड़ी चुनौती लगी, वह ईरानी प्रॉक्सी से होने वाला जल्द ही होने वाला विरोध था.

7 अक्टूबर के हमलों के बाद इज़राइली सेनाओं द्वारा 'एक्सिस ऑफ़ रेजिस्टेंस' के लीडरशिप को सिस्टमैटिक तरीके से खत्म करने के बाद इसे काफी हद तक दबा दिया गया है और दबा दिया गया है. गाजा की तबाही, हिज़्बुल्लाह के हाई कमांड का 'सिर कलम' करना और सीरिया में असद शासन के गिरने से ईरान अकेला पड़ गया था. पहले, तेहरान इन प्रॉक्सी का इस्तेमाल करने और उन्हें बनाए रखने वाला सेंट्रल हब था, अब, वह पूरा नेटवर्क बिखर गया है. हमास अपने वजूद के लिए लड़ रहा है, हिज़्बुल्लाह सख्त विरोध और सरेंडर के बीच झूल रहा है, असद सीन से गायब हो गया है. हूतियों की अहमियत तब तक थी जब तक बड़ी ताकतें सामने नहीं आईं और ईरान के सीधे इस युद्ध में शामिल होने के बाद उनका खेल खत्म हो गया.

ईरान की भौगोलिक स्थिति उसकी सबसे बड़ी ताकत भी है और सबसे बड़ी कमजोरी भी. पश्चिमी देशों के नजरिए से, वैश्विक व्यापार में ईरान की भूमिका उनके पक्ष में होने पर ही क्षेत्रीय नियंत्रण संभव है. वर्तमान में, ईरान चीनी सामानों को यूरोपीय बाजारों तक निर्बाध रूप से पहुंचाने के लिए एक भौगोलिक पुल का कार्य करता है. ईरान चीन की 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' का हिस्सा है. परिणामस्वरूप, पश्चिम एक विद्रोही या शत्रुतापूर्ण ईरान को अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य के लिए एक संभावित बाधा के रूप में देखता है.

इज़राइल के बेत शेमेश में, सारा एलीमेलेक और उनकी बेटी रोनित के अंतिम संस्कार के दौरान, शोक मनाने वाले लोग छिप गए. उस वक्त, एयर-रेड सायरन ईरान द्वारा इज़राइल की ओर दागी जाने वाली मिसाइलों की चेतावनी दे रहे थे. (क्र)

ऐसा लगता है कि ईरानी नेतृत्व को खत्म करने और सत्ता परिवर्तन के उद्देश्य से ईरान पर किए गए अमेरिका और इज़राइल के हमले के अपेक्षित परिणाम नहीं निकले. स्थिति एक व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष में बदल गई है, जिसमें पड़ोस के अन्य मुस्लिम देश भी शामिल हो गए हैं क्योंकि उन्होंने अमेरिका को सैन्य अड्डे उपलब्ध कराए हैं. एक दिलचस्प बात यह देखना होगी कि क्या पड़ोसी मुस्लिम देशों के खिलाफ ईरान की जवाबी कार्रवाई उन्हें ईरान के विरुद्ध अमेरिका और इज़राइल के साथ और अधिक मजबूती से खड़ा होने पर मजबूर करेगी या वे तटस्थ बने रहेंगे.

अध्यात्म

कमजोर बनाने वाली हर एक आवाज को अनसुना करें

एक बार एक सीधे पहाड़ में चढ़ने की प्रतियोगिता हुई. बहुत लोगों ने हिस्सा लिया. प्रतियोगिता को देखने वालों की सब जगह भीड़ जमा हो गयी. माहौल में सरगर्मी थी , हर तरफ शोर ही शोर था. प्रतियोगियों ने चढ़ना शुरू किया। लेकिन सीधे पहाड़ को देखकर भीड़ में एकत्र हुए किसी भी आदमी को ये यकीन नहीं हुआ कि कोई भी व्यक्ति ऊपर तक पहुंच पायेगा ... हर तरफ यही सुनाई देता ...' अरे ये बहुत कठिन है. ये लोग कभी भी सीधे पहाड़ पर नहीं चढ़ पायंगे, सफलता का तो कोई सवाल ही नहीं, इतने सीधे पहाड़ पर तो चढ़ा ही नहीं जा सकता और यही हो भी रहा था, जो भी आदमी कोशिश करता, वो थोडा ऊपर जाकर नीचे गिर जाता, कई लोग दो - तीन बार गिरने के बावजूद अपने प्रयास में लगे हुए थे ...पर भीड़ तो अभी भी चिल्लाये जा रही थी, ये नहीं हो सकता, असंभव और वो उत्साहित प्रतियोगी भी ये सुन-सुनकर हताश हो गए और अपना प्रयास धीरे धीरे करके छोड़ने लगे, लेकिन उन्हीं लोगों के बीच एक प्रतियोगी था, जो बार -बार गिरने पर भी उसी जोश के साथ ऊपर पहाड़ पर चढ़ने में लगा हुआ था ....वो लगातार ऊपर की ओर बढ़ता रहा और अंततः वह सीधे पहाड़ के ऊपर पहुच गया और इस प्रतियोगिता का विजेता बना. उसकी जीत पर सभी को बड़ा आश्चर्य हुआ, सभी लोग उसे घेर कर खड़े हो गए और पूछने लगे, तुमने ये असंभव काम कैसे कर दिखाया, भला तुम्हे अपना लक्ष्य प्राप्त करने की शक्ति कहाँ से मिली, ज़रा हमें भी तो बताओ कि तुमने ये विजय कैसे प्राप्त की ? तभी पीछे से एक आवाज़ आई ... अरे उससे क्या पूछते हो, वो तो बहरा है तभी उस व्यक्ति ने कहा कि हर नकारात्मक बात के लिए - ' मैं बहरा था, बहरा हूँ और बहरा रहूँगा '.

दोस्तों, हम सब के अंदर असीम सम्भावनाएं होती हैं और अपना लक्ष्य प्राप्त करने की क्षमताएँ भी होती हैं लेकिन हम अपने परिवेश और मौजूदा वातावरण में फैले नकारात्मकता की वजह से खुद को काम आंकते हैं और हिम्मत हार जाते हैं, और इसी वजह से अपने बड़े से बड़े और छोटे से छोटे सपनों के साथ समझौता कर लेते हैं और उन्हें बिना पूरा किये ही जिंदगी गुजर देते हैं।

हमें कमजोर बनाने वाली हर एक आवाज को अनसुना करें और उसके प्रति बहरे हो जाएँ तथा हर उस दृश्य के प्रति अंधे हो जाएँ जो हमें सफलता के शिखर तक पहुँचने से रोकते हैं।

बिन्दु मिलाओ और कलर करो...

वर्ग पहेली 5816

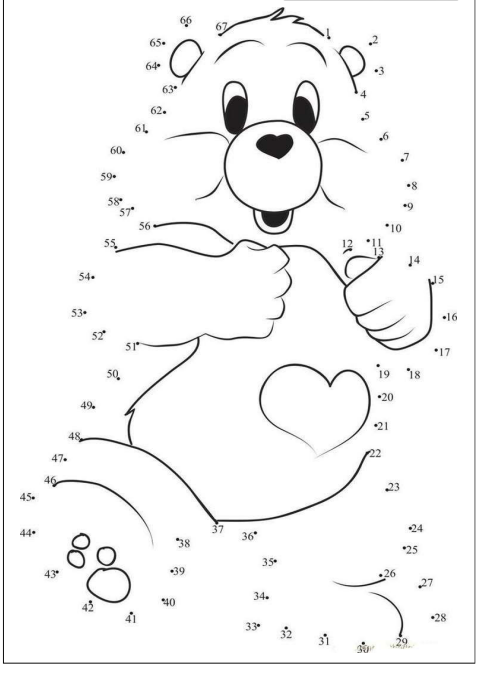

1	2	3	4	■	5	6	7
8				■	9		
	■			■		■	
10	11	■	12	■	13	14	
15		16	■	17	■	18	
■	19		20		■		■
21		■		■	22		23
	■	24			■	25	

संकेत: बाएं से दाएं

1. 13 सितंबर को इस भारतीय फिल्म गीतकार का निधन हुआ था.इस गीतकार ने 300 से अधिक फिल्मों के लिए 1500 से अधिक गीत लिखे (4)
5. शोभा से युक्त, श्रीमान (3)
8. किसी कार्य के लिए किसी का नाम नय किया जाना (4)
9. आसमान, अंबर, नभ, व्योम (3)
10. गीत-संगीत का सामंजस्य (2)
12. सादृश्य, संबंध सूचक अव्यय शास्त्रीय संगीत का एक मुख्य स्वर (1)
13. कीड़ों द्वारा निर्मित एकमात्र पदार्थ जो इंसानों द्वारा खाया जाता है (3)
15. जुड़वां, अश्विनी कुमार (3)
18. गाड़ी, बुनाई कर्म, वैन (2)
19. जो दूर हो गया (3)
21. किसी संख्या को उसी संख्या से गुणा करने कर प्राप्त होने वाला गुणनफल धोखे में रखकर की जाने वाल बुराई (2)
22. घायल, जख्मी (2)
24. समझौता, संधि (2)
25. रदपट, अधर, ओष्ठ (2)

संकेत: ऊपर से नीचे

1. वह स्थान जहां पर बिना मां-बाप कि बच्चे रखे जाते है (5)
2. हल्का गीला, आंशिक आर्द्र (2)
3. फर्श आदि पर बिछाई जाने वाली छपी हुई चादर (3)
4. नदी का पुल्लिंगवाची शब्द (2)
5. कार्य का आरंभ, गौरी सुत, पार्वती नंदन (4)
6. काल गणना के अनुसार कल्प के चार उप-विभागों में से एक (2)
7. यह गोविंदा अभिनीत की पहली फिल्म थी (5)
11. यमराज के संदेश वाहक (4)
14. विविध भारती से नाटकों पर आधारित प्रसारण होने वाला एक दैनिक कार्यक्रम (5)
16. सोने के तार जिनसे कपड़े पर बेल-बूटे आदि बनाए जाते है (2)
17. पुत्र, बेटा (2)
20. पृथ्वी की ऊपरी सतह (2)
21. पश्चिमी अफ्रीका का देश जिसकी राजधानी अकरा है (2)
23. उस समय, उस वक्त (2)

वर्ग पहेली 5815 का हल

फि	रो	ज	गां	धी	■	जा	■
रा	ज	■	धी	र	ज	वा	ला
क	■	य	■	ज	■	■	ग
गो	म	ती	■	कु	द	र	त
र	■	म	ल	मा	स	■	■
ख	ता	■	व	र	क	■	प
पु	र	खा	■	■	रो	च	ना
री	ना	रा	य	■	ड़	■	ह

रास्ता खोजो...

Reliance AUTHORISED
Konark Enterprises Pvt. Ltd.
Fully Computerised Weigh Bridge 50 TON
100% Quality & Quantity
Reliance Petrol Pump, Near Sai baba Mandir, Ambarnath

क्लारा जेटकिन जिन्होंने रखी अंतरराष्ट्रीय

महिला दिवस की नींव

क्लारा जेटकिन ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बुनियाद रखी. ऐसी बुनियाद जिसने दुनियाभर में महिलाओं के हक की लड़ाई को तेज किया. अपनी आवाज को उठाने के ताकत दी. नतीजा, महिलाएं अधिकारों के लिए मुखर होने लगीं. रूढ़िवादी परंपराओं को तोड़ते हुए खुद को साबित करने लगीं. जानिए कैसे पड़ी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की नींव और कब तय हुआ कि यह खास दिन 8 मार्च को सेलिब्रेट किया जाएगा.

क्लारा जेटकिन. यह महिला कौन है? भले ही यह नाम आपको एक बार में याद न आ रहा हो, लेकिन इन्होंने जो किया वो इतिहास बन गया. जेटकिन ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बुनियाद रखी. ऐसी बुनियाद जिसने दुनियाभर में महिलाओं के हक की लड़ाई को तेज किया. अपनी आवाज को उठाने के ताकत दी. नतीजा, महिलाएं अधिकारों के लिए मुखर होने लगीं. रूढ़िवादी परंपराओं को तोड़ते हुए खुद को साबित करने लगीं. हालांकि, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को ही मनाया जाएगा, ऐसा कुछ भी तय नहीं था. जानिए कैसे पड़ी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की नींव और कब तय हुआ कि यह खास दिन 8 मार्च को सेलिब्रेट किया जाएगा.

कैसे एक आंदोलन से पड़ी इस खास दिन की नींव?

इस खास दिन की नींव 116 साल पहले 1908 में पड़ी, जब न्यूयॉर्क शहर में 15 हजार महिलाओं ने परेड निकाली. महिलाओं की मांग थी कि उनके लिए काम के घंटे कम हों. सैलरी में सुधार हो. महिलाओं को भी मतदान करने का हक मिले.

इस आंदोलन के एक साल बाद 1909 में अमेरिका की सोशलिस्ट पार्टी ने एक दिन महिलाओं के नाम समर्पित करने का फैसला लिया. पहला राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने की घोषणा की. इस खास दिन को अंतरराष्ट्रीय बनाया जाए, यह सोच क्लारा जेटकिन के दिमाग में पनपी.

जेटकिन ऐसी सामाजिक कार्यकर्ता थीं, जो हमेशा महिलाओं के मुद्दों को पुरजोर तरीके से उठाती थीं. 1910 से डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगेन में कामकाजी महिलाओं के लिए आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में जेटकिन ने सुझाव दिया कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुरुआत होनी चाहिए. उस सम्मेलन में 17 देशों की 100 महिलाएं पहुंची थीं. वो सभी जेटकिन के सुझाव पर सहमत हो गई. महिलाओं के आंदोलनों का असर भी दिखा था. 1917 में रूसी महिलाओं ने 'रोटी और शांति की मांग करते हुए, जार की हुकूमत के खिलाफ हड़ताल की. इस हड़ताल ने दुनियाभर का ध्यान अपनी ओर खींचा था. ऐसा दबाव बना किजार निकोलस द्वितीय को गद्दी छोड़नी पड़ी थी. इसके बाद बनी अस्थायी सरकार ने महिलाओं को वोट डालने का अधिकार दिया. यह महिलाओं की बहुत बड़ी जीत थी.

जब पहली बार मना अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

जेटकिन की मुहिम रंग लगाई. 1911 में पहली बार जर्मनी, ऑस्ट्रिया, स्विटजरलैंड में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया. हालांकि इसे औपचारिक मान्यता 1955 में तब मिली जब संयुक्त राष्ट्र ने इसे मनाना शुरू किया. 1996 में पहली बार इसके लिए थीम तैयार की गई. इसके बाद हर साल इस खास दिन के लिए थीम रखी जाने लगी. इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम है- महिलाओं में निवेश करें - प्रगति में तेजी लाएं. जेटकिन ने जब महिलाओं के सामने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने की बात रखी तो उस समय किसी खास तारीख का जिक्र नहीं किया गया था. शुरुआती दौर में इसे फरवरी के पहले रविवार को मनाने की परंपरा शुरू की गई. हालांकि बाद में संयुक्त राष्ट्र ने इसके लिए 8 मार्च की तारीख तय की. इसके बाद से यही तारीख अंतरराष्ट्रीय महिला के दिवस तौर पर दुनियाभर में सेलिब्रेट की जा रही है.

सदियों से नारी को एक वस्तु तथा पुरुष की संपत्ति समझा जाता रहा है। पुरुष नारी को पीट सकता है, उसके मनोबल को तोड़कर रख सकता है, साथ ही उसकी जान भी ले सकता है। मानो कि उसे नारी के साथ यह सब करने का अघोषित अधिकार मिला हुआ है। मगर यह भी सच है कि अनेक नारियों ने हर प्रकार की विपरीत और कठिन परिस्थितियों का डटकर सामना करते हुए उन पर विजय प्राप्त की और इतिहास में अपना नाम अमर कर दिया। आज की बदली हुई परिस्थितियों में नारियां स्वयं को बदलने और पुरुष-प्रधान समाज द्वारा रचित बेड़ियों से स्वयं को आजाद करवाने हेतु कृतसंकल्प हैं। अब प्रश्न यह है कि नारी कितना बदले और क्यों?

समानता की दिशा में एक मजबूत संदेश देता है महिला दिवस

हर साल 8 मार्च को पूरी दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 में भी महिला दिवस 8 मार्च, रविवार को ही मनाया जा रहा है। यह दिन महिलाओं की उपलब्धियों, संघर्षों और समाज में उनके अमूल्य योगदान को सम्मान देने के लिए समर्पित है। महिला दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि समानता की दिशा में एक मजबूत संदेश है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जब महिलाओं को अवसर मिलता है, तो समाज और देश दोनों प्रगति करते हैं। महिला दिवस की शुरुआत 20वीं सदी की शुरुआत में हुई, जब महिलाओं ने अपने अधिकारों बेहतर वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल और मतदान के अधिकार के लिए आवाज उठाई।

- 1908 : न्यूयॉर्क में हजारों महिलाओं ने काम के घंटे कम करने और बेहतर वेतन की मांग की।
- 1910 : क्लारा जेटकिन ने कोपेनहेगन सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा।
- 1911 : पहली बार कई यूरोपीय देशों में महिला दिवस मनाया गया।
- 1975 : संयुक्त राष्ट्र ने आधिकारिक रूप से 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मान्यता दी।

तब से यह दिन वैश्विक स्तर पर महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता का प्रतीक बन चुका है।

8 मार्च को ही क्यों मनाते हैं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस?

अमेरिका में कामकाजी महिलाओं ने 8 मार्च को अपने अधिकारों को लेकर आंदोलन करते हुए मार्च निकाला था। जिसके बाद सोशलिस्ट पार्टी ने इस दिन महिला दिवस मनाने का एलान किया। वहीं 1917 में पहले विश्व युद्ध के दौरान रूस की महिलाओं ने ब्रेड और पीस के लिए हड़ताल किया। परिणाम स्वरूप सम्राट निकोलस ने अपना पद त्याग दिया और महिलाओं को मतदान का अधिकार मिला। ये देख यूरोप की महिलाओं ने भी कुछ दिन बाद 8 मार्च को पीस ऐक्टिविस्ट्स का समर्थन करते हुए रैलियां निकाली। इस कारण 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मान्यता मिला। बाद में 1975 में संयुक्त राष्ट्र ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को मान्यता दे दी।

महिला दिवस का महत्व

- महिला दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि जागरूकता का दिन है। इसका उद्देश्य है,
- लैंगिक समानता को बढ़ावा देना
- शिक्षा और रोजगार में समान अवसर की मांग
- महिलाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा पर ध्यान
- समाज में महिलाओं की उपलब्धियों का सम्मान
- आज महिलाएं राजनीति, विज्ञान, खेल, कला और व्यापार हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। यह दिन उनके संघर्ष और सफलता की कहानी को सम्मान देने का अवसर है।

महिला दिवस 2026 की थीम

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 की वैश्विक थीम है, 'दान से लाभ' यानी जब आप किसी को कुछ देते हैं तो बदले में आपको भी लाभ होता है।

महिला दिवस से जुड़े रोचक तथ्य

- दुनिया के 100 से अधिक देशों में 8 मार्च को कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।
- कई देशों में यह दिन आधिकारिक अवकाश भी होता है।
- हर साल अलग थीम तय की जाती है, जो उस वर्ष के सामाजिक मुद्दों को दर्शाती है।
- महिला दिवस का रंग अक्सर बैंगनी माना जाता है, जो गरिमा और न्याय का प्रतीक है।

बहन, पत्नी, बेटी और मां के तौर पर आपके जीवन में भी ऐसी कुछ महिलाएं होंगी जिन्होंने आपके जीवन के लिए काफी कुछ किया होगा. ऐसी खास महिलाओं को महिला दिवस के दिन आप भी बेहद खास फील करवा सकते हैं.

इस खास मौके पर गृह लक्ष्मी को दें ये स्पेशल गिफ्ट

कहा जाता है कि जब एक पुरुष शिक्षित होता है तो सिर्फ एक व्यक्ति शिक्षित होता है, लेकिन जब एक स्त्री शिक्षित होती है, तो एक पीढ़ी शिक्षित होती है. बच्चे को जन्म देने से लेकर उसमें संस्कार के बीज डालने और उसके व्यक्तित्व का निर्माण करने तक, एक महिला का बहुत बड़ा रोल होता है. यही वजह है कि एक स्त्री की भूमिका परिवार तक ही सीमित नहीं मानी जाती, बल्कि पूरे समाज के निर्माण में उसका अहम रोल होता है.

वहीं आज के समय में तो महिला परिवार को भी संभालती है और हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर भी चलती है. अपने प्रेम, सेवाभाव और कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए महिला परिवार के सभी लोगों को आपस में जोड़कर रखती है और मकान को घर बनाती है. इन कारणों से ही भारतीय समाज में स्त्रियों को लक्ष्मी कहा जाता है. आपके भी घर में भी बहन, पत्नी, बेटी और मां के तौर पर ऐसी गृह लक्ष्मी होंगी. इस बार 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अपने जीवन की इन खास महिलाओं को कुछ ऐसे गिफ्ट्स दें, जो उनके फाइनेंशियल फ्यूचर ब्राइट करें और दिल से उन्हें शुक्रिया कहें.

सुकन्या समृद्धि स्कीम

अगर आप एक बेटी के पिता हैं और बेटी की उम्र 10 साल से कम है, तो आप उसके लिए सुकन्या समृद्धि स्कीम को महिला दिवस के दिन शुरू करवा सकते हैं. इस स्कीम में सालाना कम से कम 250 और अधिक से अधिक 1.5 लाख रुपए तक जमा किए जा सकते हैं. आप अपनी जेब के हिसाब से इतना पैसा हर साल उसके लिए जमा कर सकते हैं, जिससे उसके बड़े होने तक एक बड़ी राशि जमा हो जाए. इस स्कीम में 15 सालों तक निवेश करना होता है और 21 साल में ये मैच्योर होती है. इस स्कीम के जरिए बेटी के नाम से जमा रकम को आप उसकी हायर स्टडीज या शादी वगैरह में खर्च कर सकते हैं. मौजूदा समय में इस स्कीम पर 8.2 फीसदी ब्याज मिल रहा है.

एफडी

अगर आप एकमुश्त रकम खर्च कर सकते हैं, तो एक निश्चित अमाउंट की एफडी भी आप अपने जीवन की खास महिला के नाम से फिक्स कर सकते हैं. महिलाओं के लिए सरकार की ओर से महिला सम्मान बचत प्रमाण पत्र योजना भी चलाई जाती है. इसमें 7.5 फीसदी के हिसाब से ब्याज दिया जाता है. आप चाहें तो दो साल के लिए इस स्कीम में उनके नाम से रकम फिक्स करवा सकते हैं. मैच्योर होने के के बाद इस रकम को वो महिलाएं अपनी जरूरत के हिसाब से खर्च कर सकती हैं.

एसआईपी

परिवार की महिला को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए आप महिला दिवस के दिन उनके लिए एसआईपी भी शुरू कर सकते हैं. एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश किया जाता है. इसमें आप 500 रुपए से भी निवेश कर सकते हैं. एसआईपी पर कंपाउंडिंग का फायदा मिलने के साथ ब्याज अच्छा मिल जाता है. लंबे समय की एसआईपी में औसत रिटर्न 12 फीसदी माना जाता है. ऐसे में इस स्कीम के जरिए उनके फ्यूचर के लिए अच्छा खासा अमाउंट इकट्ठा कर सकते हैं.

सोने की ज्वेलरी

अगर आप इस तरह का कोई गिफ्ट नहीं देना चाहते तो अपने जीवन की खास महिला के लिए सोने की कोई ज्वेलरी भी खरीद कर उन्हें गिफ्ट कर सकते हैं. महिलाएं हमेशा गहनों की शौकीन होती है. इसके अलावा सोने का गहना सिर्फ श्रंगार तक ही सीमित नहीं होता, बल्कि ये एक जमा पूंजी की तरह है, जिसकी कीमत समय के साथ बढ़ती रहती है. मुश्किल समय में इन गहनों की मदद से पैसों का इंतजाम किया जा सकता है. ऐसे में आप परिवार की गृह लक्ष्मी को गहने गिफ्ट करके उन्हें खुश कर सकते हैं.

एलआईसी पॉलिसी

एलआईसी आधार शिला स्कीम वगैरह ऐसी तमाम स्कीम्स हैं जो खासतौर पर महिलाओं के लिए तैयार की गई हैं. ऐसे में आप उनकी उम्र और जरूरत के हिसाब से एलआईसी की किसी स्कीम को उनके लिए खरीद सकते हैं और महिला दिवस के दिन उन्हें गिफ्ट में दे सकते हैं. इसमें हर महीने आप ही प्रीमियम भरें. मैच्योरिटी के बाद जब एकमुश्त अमाउंट उनके हाथ आएगा तो वे बहुत खुश होंगी और भविष्य में इस रकम को अपने लिए या परिवार के लिए अपनी मर्जी से इस्तेमाल कर सकेंगी.

सिर्फ एक दिन ही क्यों हो सम्मान...?

हर साल 8 मार्च को महिला दिवस मनाया जाता है। मैं कहती हूं कि विश्वभर को महिला दिवस मनाने की आवश्यकता ही नहीं है। ऐसा नहीं है कि हमारे देश में देवी की पूजा नहीं होती है। भारत में कई रूपों में देवियों का पूजन किया जाता है। देवी दुर्गा, माता पार्वती, मां भगवती, मां बगलामुखी, माता कालिका या फिर अन्य कई देवियों का पूजन ही क्यों न हो? हमारा देश देवी को पूजता भी है और हमारे सम्माननीय नारियों और देवियों के लिए नतमस्तक भी है। लेकिन फिर भी हमें महिला दिवस नहीं मनाना चाहिए, क्योंकि जहां मां, पुत्री, बेटी, लड़की, महिला या स्त्री के शील धर्म की रक्षा नहीं की जा सकती, वहां महज एक दिन महिलाओं के प्रति वफादारी दिखाने का क्या औचित्य है?

बात सिर्फ इतनी ही नहीं है, जहां गर्भ में आते ही बेटियों को मार दिया जाता है, वो तो इस सबसे ऊपर बहुत अधिक भयावह और लज्जित होने वाली बात है। हमें इस बात के प्रति सजग होते हुए गर्भ में पल रहीं बेटियों की रक्षा करनी चाहिए ताकि आने वाले समय में भारत कहीं बेटियों के स्नेह और प्यार से वंचित न रह जाएं।

8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आते ही सिर्फ एक दिन के लिए महिलाओं का गुणगान करके उन्हें सम्मान देना और दूसरी ओर उनको छलना, उनके साथ कपट भाव रखना, रास्ते चलते छेड़छाड़ करना, स्त्री को लज्जित करना, शराब पीकर महिलाओं के साथ मारपीट करना. यह सब हमें शोभा नहीं देता। इससे अच्छा यही होगा कि हम महिला दिवस मनाना ही भूल जाएं। अगर सच में हमारे मन में महिलाओं के प्रति आदर और सम्मान है, तो सबसे पहले हमें चाहिए कि हम उन मां, बहन, बेटियों, बहुओं और उन मासूम बच्चियों के प्रति अपना नजरिया बदलें और उन्हें हीन दृष्टि से देखना बंद करें। पराए घर की किसी महिला या लड़की को हम हमारी घर की बेटी समझकर उन्हें भी उसी नजरिए देखें, जो नजरिया हम अपनी मां और बहनों के लिए रखते करते हैं। महिला दिवस मनाने का केवल यह मतलब नहीं है कि एक दिन तो बहुत ऊंचे स्थान पर बैठाकर मान-सम्मान दे दिया जाए और दूसरे ही दिन राह चलती लड़कियों से छेड़खानी शुरू कर दी जाए। यहां युवा तो युवा, बुजुर्ग भी इन मामलों में पीछे नहीं हैं। रास्ते चलते लड़कियों पर फब्तियां कसना इनकी आदत शुमार में है और सबसे ज्यादा शर्मनाक बात तो तब हो जाती है, जब हैवानों का दल 3-5 साल की मासूम बच्चियों को भी अपना निशाना बनाने में नहीं चूकते और मौका देखते ही उनका शीलहरण करके उन्हें नारकीय जीवन में पहुंचा देते हैं।

कभी टॉफी का लालच देकर तो कभी अन्य बहानों से बहला-फुसलाकर अपने गंदे नापाक इरादों को उन मासूमों पर थोप दिया जाता है। चाहे वो फिर अपने पड़ोसी की जान-पहचान की बच्ची हो या फिर कोई और.उन्हें इस कदर रौंद दिया जाता है कि वे न जीने लायक बचती है और न ही समाज में अपना मुंह किसी को दिखाने लायक। हमारे प्रोफेशनल समाज को चाहिए कि वह इस तरह दरिंदगी का शिकार हुई बच्चियों और महिलाओं के प्रति अपना नजरिया बदले और उन्हें अपने घरों में बेटी या बहूओं का स्थान देने की पहल करें। महिला दिवस सिर्फ एक दिन मनाकर अपने कर्तव्य से इतिश्री न करें, महिला के मान-सम्मान के प्रति हर दिवस, हर पल सजग रहें ताकि किसी भी घर की बेटी, बहू या और कोई भी हो उसके साथ कुछ भी, कहीं भी गलत न हो सकें। इसके लिए पुरुषों को इस मामले में ठोस कदम उठाना चाहिए, क्योंकि नारी सम्मान की बात घर से ही शुरू की जानी चाहिए ताकि बाकी भी इस सम्मान को बरकरार रखने में पूरी तरह सहयोग दे सकें। आज महिलाएं, युवतियां घर की चहारदीवारी से बाहर निकलकर हर क्षेत्र में जहां अपना परचम बखूबी लहरा रही हैं, वहीं अगर पुरुष वर्ग भी उनके प्रति अपना नजरिया बदल देंगे तो निश्चित ही भारत की हर बेटी-बहू का मान-सम्मान, इज्जत-आबरू की रक्षा होगी।

हर साल महिला दिवस के नाम पर एक दिवस आता है और हम खुद को समूचा उड़ेल देते हैं, नारों, भाषणों, सेमिनारों और आलेखों में। बड़े-बड़े दावे, बड़ी-बड़ी बातें, बड़ी-बड़ी कल्पनाएं। लेकिन इन बड़ी बातों के पीछे का यथार्थ इतना क्रूर, कि एक कोई घटना तमाचे की तरह गाल पर पड़ती है और हम फिर बेबस, असहाय, अकिंचन से हो जाते हैं । महिला दिवस हम सभी का अस्मिता दिवस है। उन जुझारू और जीवट महिलाओं की स्मृति में मनाया जाने वाला जो काम के घंटे कम किए जाने के लिए संघर्ष करती हुई शहीद हो गई।

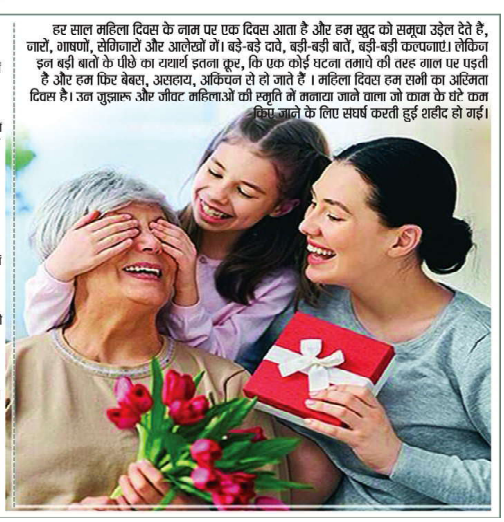

अब भारत बनेगा राफेल का सबसे बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब

फ्रांस के बाहर बड़ी उपलब्धि,डसॉल्ट ने बताया प्लान

पेरिस (एजेंसी)। राफेल फाइटर जेट बनाने वाली फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन ने पुष्टि कर दी है कि फ्रांस के बाहर प्रोडक्शन लाइन बनाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। इसके अलावा डसॉल्ट ने कहा है कि राफेल फाइटर की प्रोडक्शन क्षमता को भी साल 2029 तक हर महीने बढ़ाकर 4 करने का लक्ष्य रखा गया है। डसॉल्ट एविएशन के सीईओ एरिक ट्रैपियर ने 4 मार्च को कहा है कि वह धीरे-धीरे राफेल फाइटर का प्रोडक्शन रेट बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि 2029 तक हर महीने चार राफेल बनाने का लक्ष्य है लेकिन उसे बढ़ाकर पांच करने पर भी विचार चल रहा है। पिछले कुछ सालों में यह बढ़ोतरी एक्सपोर्ट सेल्स को सपोर्ट कर रही है, और कंपनी को और ऑर्डर पूरे करने के लिए तैयार कर रही है। इस बीच, डसॉल्ट देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत में फाइटर की बड़ी सब-असेंबली बनाने के लिए तैयार हो रहा है। चूंकि एयरफ्रेमर एशियाई देश के साथ एक और बड़े कॉन्ट्रैक्ट की प्लानिंग कर रहा है, इसलिए वह और भी ज्यादा जरूरी है।

भारत से मिले ऑर्डर के आधार पर प्रोडक्शन बढ़ाने पर फैसला

राफेल के प्रोडक्शन रफ्तार को रेट 5 पर ले जाने में भारत में प्रोडक्शन को ध्यान में रखा जा सकता है। डसॉल्ट ने पिछले साल टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के साथ पार्टनरशिप की थी ताकि हर महीने दो राफेल फ्यूजलेज सेक्शन का लोकल प्रोडक्शन शुरू किया जा सके, जिसकी पहली डिलीवरी 2028 में होनी है। अगर भारत सरकार 114 और राफेल के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन करती है तो हैदराबाद में फाइटर के लिए दूसरी फाइनल असेंबली लाइन बनाई जा सकती है। डिफेंस एविएशन कांसिल ने 114 राफेल खरीदने के लिए मंजूरी दे दी है। ट्रैपियर ने कहा कि टारगेट प्रोडक्शन रेट अभी तय नहीं किया गया है।

लोग केरल स्टोरी-2 नहीं देख रहे, ये अच्छी खबर

राहुल बोले-फिल्मों और मीडिया का इस्तेमाल प्रोपेगैंडा के लिए हो रहा

इडुक्की (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि फिल्म केरल स्टोरी-2 गोज वियॉन्ड को ज्यादा लोग नहीं देख रहे हैं और यह अच्छी खबर है। उन्होंने कहा कि फिल्मों, टीवी और मीडिया का इस्तेमाल तेजी से प्रोपेगैंडा के रूप में किया जा रहा है। केरल में इडुक्की के कुट्टिकनम स्थित मैरियन कॉलेज में शुक्रवार को छात्रों से बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने यह टिप्पणी की। एक छात्र ने फिल्मों के प्रोपेगैंडा के रूप में इस्तेमाल किए जाने पर सवाल पूछा था। इस पर गांधी ने कहा- अच्छी खबर यह है कि केरल स्टोरी खोखली लगती है और लोग इसे देखने नहीं जा रहे हैं। इससे यह भी पता चलता है कि बहुत से लोग केरल और उसकी परंपराओं व संस्कृति को ठीक से नहीं समझ पाए हैं। उन्होंने कहा कि आज फिल्मों और मीडिया को तेजी से नफरत फैलाने का हथियार बनाया जा रहा है।

यूनिवर्सिटी में आरएसएस से जुड़े लोग

देश की शिक्षा व्यवस्था पर एक खास विचारधारा का दबाव बढ़ रहा है। अगर आप यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर देखें तो उनमें से कई की नियुक्ति इसलिए हुई है क्योंकि वे आरएसएस या किसी खास विचारधारा से जुड़े हैं। शिक्षा को किसी एक सोच तक सीमित नहीं होना चाहिए। भारत अभी अमेरिका और चीन के स्तर तक नहीं पहुंचा है। यदि भारत एआई के क्षेत्र में मजबूत बनना चाहता है, तो उसे अपने डेटा पर नियंत्रण रखना होगा। अमेरिका का वैश्विक डेटा तक व्यापक पहुंच है, जबकि चीन अपना डेटा खुद नियंत्रित करता है, जिससे एआई में उसकी स्थिति मजबूत होती है।

टी 20 वर्ल्डकप का फाइनल मैच आज

- खिताबी भिड़ंत में भारत और न्यूजीलैंड की होगी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 अपने आखिरी पड़ाव पर है। कल रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खिताबी जंग होगी। फाइनल से पहले ही आईसीसी ने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के लिए 8 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट कर लिया है। आईसीसी के नोमिनेशन में भारत के संजू सैमसन का भी नाम है। भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी टूर्नामेंट के इतिहास में रिकॉर्ड 15वीं बार फाइनल खेलने उतरेगी। 1983 में कपिल देव की कप्तानी में मिली पहली वर्ल्ड कप जीत से शुरू हुआ यह सफर भारत को अब तक 7 ट्रॉफियां दिला चुका है। आईसीसी टूर्नामेंटस (वनडे वर्ल्ड कप + चैंपियंस ट्रॉफी + टी-20 वर्ल्ड कप + वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप) में ऑस्ट्रेलिया सबसे सफल टीम है, जिसने 14 फाइनल में से 10 ट्रॉफियां जीती हैं। 2002 चैंपियंस ट्रॉफी का भारत-श्रीलंका फाइनल बारिश के कारण दो दिन में भी पूरा नहीं हो सका था। इसलिए दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया गया। टीम इंडिया ने अपना पिछला खिताब रोहित शर्मा की कप्तानी में 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर जीता था।

संकट में फंसा ईरान तो भारत ने की मदद

युद्ध के बीच ईरानी युद्धपोत को कोच्चि में दी शरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष अब भारत के समुद्री पड़ोस तक पहुंच गया है। श्रीलंका के तट के पास एक अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा ईरानी युद्धपोत को डुबोए जाने के ठीक दो दिन बाद, भारत ने ईरान के एक दूसरे युद्धपोत 'आईरिस लावन' को कोच्चि बंदरगाह पर रुकने की अनुमति दे दी है। इस कदम को भारत द्वारा अमेरिका और ईरान के बीच एक बेहद जटिल बैलेंसिंग एक्ट के रूप में देखा जा रहा है। तनाव की शुरुआत बुधवार को हुई, जब श्रीलंका के तट से लगभग 19 समुद्री मील दूर एक अमेरिकी पनडुब्बी ने ईरानी फ्रिगेट आईरिस डेना पर टॉरपीडो से हमला कर उसे डुबो दिया। इस भीषण हमले में 87 ईरानी नाविकों की मौत हो गई। इस घटना ने पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर चिंता पैदा कर दी है।

पड़ोसी देशों पर अब हमले नहीं करेगा ईरान

- राष्ट्रपति पेजेशकियन ने किया वादा, मांगी भी माफी

तेहरान (एजेंसी)। ईरानी राष्ट्रपति पेजेशकियन ने कहा कि सैन्य बलों को एक आदेश दिया गया है। अब से, पड़ोसी देशों पर तब तक हमला न करें जब तक कि उन पर पहले हमला न हो। जो लोग इस मौके का फायदा उठाकर ईरान पर हमला करने की सोच रहे हैं, उन्हें साम्राज्यवाद की कठपुतली नहीं बनना चाहिए। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने पड़ोसी देशों से माफी मांगते हुए कहा है कि अब ईरान उन देशों पर हमला नहीं करेगा। पेजेशकियान ने ईरान के सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक वीडियो संदेश में कहा,मुझे लगता है कि उन पड़ोसी देशों से माफी मांगना जरूरी है जिन पर हमला हुआ है। हमारा पड़ोसी देशों पर हमले का कोई इरादा नहीं है।

इससे पहले, सऊदी अरब के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान ने देश के सैन्य ठिकानों और तेल केंद्रों पर हुए सिलसिलेवार मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद ईरान को गलतफहमी और गलत आकलन से बचने की कड़ी चेतावनी दी थी। सऊदी रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बयान जारी कर बताया कि अमेरिकी सैन्य कर्मियों की मौजूदगी वाले एक एयर बेस और एक प्रमुख तेल क्षेत्र को निशाना बनाकर किये गये हमलों को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, राजधानी रियाद के दक्षिण-पूर्व स्थित प्रिंस सुल्तान एयर बेस की ओर दागी गयी एक बैलिस्टिक मिसाइल को बीच में ही रोककर नष्ट कर दिया गया। सऊदी प्रेस एजेंसी ने मंत्रालय के प्रवक्ता के हवाले से पुष्टि की है कि इसी एयर बेस पर एक और मिसाइल हमला हुआ, जिसे भी विफल कर दिया गया।

सऊदी अरब ने दी थी ईरान को चेतावनी

गुरुमीत राम रहीम पत्रकार छत्रपति हत्याकांड में बरी

- हाईकोर्ट ने दिया फैसला,7 साल पहले उम्रकैद हुई थी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में डेरा सच्चा सौदा के राम रहीम को बरी कर दिया है। हालांकि कोर्ट ने 3 आरोपियों कुलदीप सिंह, निर्मल सिंह और कृष्ण लाल की सजा को बरकरार रखा है। इससे पहले 17 जनवरी 2019 को पंचकूला की स्पेशल कोर्ट ने राम रहीम समेत बाकी सभी आरोपियों को 7 साल कैद की सजा सुनाई थी। जिसके खिलाफ आरोपियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। फैसला सुनाते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि इस हत्याकांड में राम रहीम के साजिशकर्ता होने के पर्याप्त सबूत नहीं हैं।

प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट की रेस में संजू सैमसन, आईसीसी ने जारी की 8 खिलाड़ियों की लिस्ट

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 अब अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच चुका है। रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। फाइनल से पहले आईसीसी ने 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' के लिए 8 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया है। इस सूची में भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन भी शामिल हैं, जिन्होंने सीमित मौके मिलने के बावजूद शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है।

कम मैच, लेकिन दमदार प्रदर्शन - संजू सैमसन ने इस टूर्नामेंट में अब तक सिर्फ 4 मैच खेले हैं, लेकिन उन्होंने 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 232 रन बना दिए हैं। खास बात यह है कि ये भारत के पिछले दोनों मुकाबलों में 'प्लेयर ऑफ द मैच' भी रहे हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने टीम इंडिया को अहम मौकों पर जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई।

शुरुआत में प्लेइंग इलेवन में नहीं मिला मौका- टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत में भारत की प्लेइंग इलेवन में संजू सैमसन को जगह नहीं मिली थी। टीम मैनेजमेंट ने ओपनिंग के लिए अभिषेक शर्मा और ईशान किशन को मौका दिया, जबकि तिलक वर्मा को नंबर-3 पर उतारा गया। हालांकि, नामीबिया के खिलाफ मुकाबले से पहले अभिषेक शर्मा बीमार हो गए, जिसके बाद सैमसन को टीम में शामिल किया गया। इस मैच में उन्होंने 8 गेंदों में 22 रन बनाए। अभिषेक के फिट होकर लौटने के बाद सैमसन को फिर बाहर कर दिया गया और वे पाकिस्तान, नीदरलैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाफ मुकाबलों में बेंच पर ही बैठे रहे।

इन खिलाड़ियों को भी मिला नॉमिनेशन

- आईसीसी द्वारा शॉर्टलिस्ट किए गए बाकी खिलाड़ियों ने भी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है।
- फिल जैक्स (इंग्लैंड)- 226 रन और 9 विकेट, शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन
- लुंगी एनगिडी (दक्षिण अफ्रीका)- 12 विकेट लेकर टीम के सबसे सफल गेंदबाज
- ऐडन मार्करम (दक्षिण अफ्रीका)- 286 रन बनाकर टीम की बल्लेबाजी संभाली
- रचिन रवींद्र (न्यूजीलैंड)- 128 रन और 11 विकेट, टीम के लिए अहम योगदान
- टिम सिफर्ट (न्यूजीलैंड)- 274 रन, तीन अर्धशतक और दो बार प्लेयर ऑफ द मैच
- शेडली वान शाल्कविक (अमेरिका)- ग्रुप स्टेज के चार मैचों में 13 विकेट, टूर्नामेंट के टॉप विकेट टेकर

वोटिंग शुरू, फैंस भी चुन सकेंगे विजेता

आईसीसी ने इन आठ खिलाड़ियों के लिए ऑनलाइन वोटिंग शुरू कर दी है। फैंस आईसीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपने पसंदीदा खिलाड़ी को वोट दे सकते हैं।फाइनल फैसला फैंस की वोटिंग के साथ-साथ आईसीसी पैनल के क्रिकेट एक्सपर्ट्स और कमेंटेटर्स के वोट के आधार पर लिया जाएगा। 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का ऐलान फाइनल मुकाबले के बाद किया जाएगा।

फाइनल से पहले न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा भारत पर घरेलू दबाव रहेगा

अहमदाबाद (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल से पहले न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने बड़ा बयान दिया है। सैंटनर का मानना है कि गेजबान होने के कारण भारत पर खिताब जीतने का भारी दबाव होगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह खिताबी मुकाबला रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

'भारत पर होगा घरेलू दर्शकों का दबाव' - फाइनल से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में मिचेल सैंटनर ने कहा कि भारतीय टीम को घरेलू मैदान पर खेलते हुए बड़ी उम्मीदों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य भीड़ को शांत करना है, लेकिन क्रिकेट में कई तरह की चुनौतियां होती हैं। मुझे लगता है कि भारत पर घर में जीतने का काफी दबाव होगा।

फाइनल को लेकर उत्साहित है न्यूजीलैंड टीम - सैंटनर ने कहा कि उनकी टीम इस बड़े मुकाबले को लेकर काफी उत्साहित है और खिलाड़ी पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा, मैं इस मैच को लेकर काफी उत्साहित हूं। हमने पहले भी भारत के खिलाफ खेला है, इसलिए कोई खास राज नहीं है। खिलाड़ी फाइनल के लिए पूरी तरह तैयार और उत्साहित हैं। यह एक मैच का मुकाबला है और जो बेहतर खेलेगा वही जीतेगा।

अहमदाबाद में हाई-स्कोरिंग मैच की उम्मीद - न्यूजीलैंड कप्तान ने कहा कि उन्होंने अभी तक पिच नहीं देखी है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि यह मुकाबला हाई-स्कोरिंग हो सकता है। सैंटनर ने कहा कि इस मैदान पर बल्लेबाजों को गदद गिल सकती है और दोनों टीमों के बीच बड़ा स्कोर देखने को मिल सकता है।

न्यूजीलैंड ने पूरे टूर्नामेंट में दिखाई निरंतरता - सैंटनर ने कहा कि उनकी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में कई चुनौतियों का सामना किया है, लेकिन लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय सीरीज से टीम ने काफी कुछ सीखा है, लेकिन वर्ल्ड कप का फाइनल पूरी तरह अलग दबाव वाला मुकाबला होता है।

जरूरत पड़ी तो तोड़ देंगे भारतीय फैंस का दिल -न्यूजीलैंड कप्तान ने साफ कहा कि अगर मौका मिला तो उनकी टीम भारत को हराकर ट्रॉफी जीतने से पीछे नहीं हटेगी। हमें ट्रॉफी जीतने में कोई परेशानी नहीं होगी। अगर ऐसा होता है तो हमें कुछ दिल तोड़ने में भी कोई दिक्कत नहीं होगी। सैंटनर ने कहा कि भारत की बल्लेबाजी शुरुआत से ही आक्रामक रहती है और उसे रोकने का सबसे अच्छा तरीका शुरुआती विकेट लेना है।

आज भारत और न्यूजीलैंड के बीच होगा टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला

टी20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ रिकॉर्ड बेहद खराब, अब तक तीनों मैच हारा है भारत

अहमदाबाद (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबला रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। इस बड़े मैच से पहले एक ऐसा आंकड़ा सामने आया है जो भारतीय टीम की चिंता बढ़ा सकता है। दरअसल, टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया का रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। अब तक दोनों टीमों के बीच खेले गए तीनों मुकाबलों में भारत को हार का सामना करना पड़ा है।

टी20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-3 का रिकॉर्ड - टी20 विश्व कप इतिहास में भारत और न्यूजीलैंड के बीच अब तक तीन मुकाबले खेले गए हैं और इन सभी में कीवी टीम ने जीत दर्ज की है। यही वजह है कि फाइनल से पहले यह आंकड़ा भारतीय टीम के लिए चिंता का विषय बन गया है। करीब पांच साल बाद दोनों टीमें टी20 वर्ल्ड कप में आमने-सामने होंगी और भारतीय टीम के पास इस बार अपने पुराने रिकॉर्ड को बदलने का सुनहरा मौका है।

2021 मैच में इन खिलाड़ियों का प्रदर्शन

ईशान किशन - 4 रन
हार्दिक पांड्या - 24 गेंद में 23 रन
वरुण चक्रवर्ती - कोई विकेट नहीं
जसप्रीत बुमराह - 2 विकेट
हालांकि मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप में इन खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा है।

मौजूदा टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में भारतीय खिलाड़ी - टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय टीम के कई खिलाड़ी बेहतरीन फॉर्म में नजर आ रहे हैं। ईशान किशन ने बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है। जसप्रीत बुमराह ने गेंदबाजी में कमाल किया है और सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ उनकी गेंदबाजी जीत की सबसे बड़ी वजह रही। हार्दिक पांड्या ने ऑलराउंडर के रूप में शानदार योगदान दिया है। वरुण चक्रवर्ती का फॉर्म थोड़ा गिरा है, लेकिन वे वापसी करने की क्षमता रखते हैं।

इतिहास बदलने का मौका - ऐसे में भारतीय टीम के पास फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में पहली जीत दर्ज करने का सुनहरा मौका है। अगर भारत यह मुकाबला जीतता है तो न सिर्फ वह अपने खराब रिकॉर्ड को सुधार लेगा, बल्कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब भी अपने नाम कर सकता है। कप्तान सूर्यकुमार यादव की अगुआई में टीम इंडिया के पास इतिहास रचने और पुराने घावों को भरने का बड़ा मौका है।

2021 में हुआ था आखिरी मुकाबला

टी20 वर्ल्ड कप में भारत और न्यूजीलैंड के बीच आखिरी मैच 2021 में दुबई में खेला गया था। उस समय टीम इंडिया की कप्तानी विराट कोहली के हाथों में थी और उस मुकाबले में भारत को 8 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी। हालांकि, पिछले पांच सालों में दोनों टीमों में काफी बदलाव आ चुका है। उस मैच में भारत की ओर से खेलने वाले खिलाड़ियों में से सिर्फ चार खिलाड़ी ही मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा हैं। ये खिलाड़ी हैं- ईशान किशन, हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती बाकी खिलाड़ी या तो इस फॉर्मेट से संन्यास ले चुके है या फिर टीम से बाहर हो चुके हैं।

रोनाल्डो की चोट ने बढ़ाई चिंता, पुर्तगाल के लिए आगामी मैचों में खेलना संदिग्ध

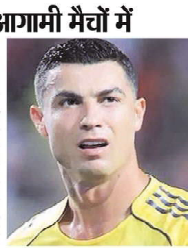

पुर्तगाल (एजेंसी)। सऊदी क्लब अल-नासर के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की हैमस्ट्रिंग चोट उम्मीद से ज्यादा गंभीर बताई जा रही है। टीम के कोच जॉर्ज जीसस ने खुलासा किया कि इस चोट के कारण 41 वर्षीय रोनाल्डो का पुर्तगाल की राष्ट्रीय टीम के लिए आगामी मैत्री मैचों में खेलना संदिग्ध हो गया है।

मैच के दौरान चोटिल हुए रोनाल्डो-रोनाल्डो को यह चोट पिछले सप्ताहांत सऊदी प्रो लीग के मुकाबले में लगी थी। इस मैच में अल-नासर ने अल-फायहा को 3-1 से हराया, लेकिन मुकाबले के दौरान रोनाल्डो लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए थे।

जांच में सामने आई चोट की गंभीरता-कोच जॉर्ज जीसस ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि शुरुआती तौर पर यह मांसपेशियों में हल्का खिंचाव लग रहा था, लेकिन मेडिकल जांच के बाद पता चला कि चोट अनुमान से अधिक गंभीर है।

उन्होंने कहा, पिछले मैच में क्रिस्टियानो को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था। अब जांच से स्पष्ट हो गया है कि उनकी चोट हमारी उम्मीद से ज्यादा गंभीर है।

इलाज के लिए स्पेन जाएंगे रोनाल्डो-कोच के अनुसार रोनाल्डो को फिलहाल आराम और उचित उपचार की जरूरत है। इलाज के लिए वह स्पेन जाएंगे, जहां उनके निजी फिजियोथेरेपिस्ट उनकी रिकवरी पर काम करेंगे। टीम को उम्मीद है कि वह जल्द ही फिट होकर मैदान पर वापसी करेंगे।

पुर्तगाल के मैत्री मैचों पर संकट-रोनाल्डो की चोट के कारण पुर्तगाल की टीम को बड़ा झटका लग सकता है। पुर्तगाल अपनी विश्व कप तैयारी के तहत दो अहम मैत्री मैच खेलेगा-

28 मार्च - मैक्सिको के खिलाफ, मैक्सिको सिटी
1 अप्रैल - अमेरिका के खिलाफ, अटलांटा

इन मुकाबलों में रोनाल्डो की उपलब्धता फिलहाल संदिग्ध मानी जा रही है।

घर के मंदिर में शंख बजाना चाहिए या नहीं? जान लें इससे जुड़े 3 सबसे जरूरी नियम

घर के मंदिर में हर कोई शंख रखता है। हालांकि इसे लेकर बहुत कम लोगों को ही जानकारी है कि इसे कैसे और किस हाल में रखना चाहिए। नीचे विस्तार से जानें शंख को घर के मंदिर में किस तरह रखा जाए और साथ ही ये भी जानें इसे घर में रखने से क्या-क्या फायदे होते हैं? हिंदू धर्म में पूजा-पाठ के दौरान कई चीजों का होना जरूरी माना जाता है और इनमें से एक महत्वपूर्ण चीज शंख है। शंख काफी पवित्र और ऊर्जावान होता है। कहा जाता है कि अगर घर में इसे पूरे विधि विधान के साथ रखा जाए तो भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा बरसती है। जब भी शंख बजाते हैं तो इसकी ध्वनि से सकारात्मकता आती है और मन भी शांत होता है। ऐसे में पूजा में इसे शामिल करना जरूरी होता है। हालांकि इस बात को लेकर लोगों के बीच काफी कन्फ्यूजन होती है कि घर के मंदिर में शंख रखना चाहिए या नहीं? बता दें कि वास्तु के अनुसार शंख को मंदिर में रख सकते हैं लेकिन इसको लेकर भी कई तरह के नियम हैं। नीचे विस्तार से जानें इन नियमों के बारे में-

किस दिशा में रखें शंख

घर के मंदिर में आप बिना किसी भी डर के शंख को रख सकते है। हालांकि इसकी दिशा का सही होना जरूरी होता है। वास्तु के नियमों के अनुसार शंख को हमेशा ईशान कोण में रखना चाहिए। बता दें कि वास्तु की दुनिया में ईशान कोण उत्तर-पूर्व दिशा को कहा जाता है। शास्त्र के हिसाब से घर का ये हिस्सा सबसे पवित्र होता है। दरअसल ऐसा माना जाता है कि इसी दिशा में देवी-देवता रहते हैं। ऐसे में इस दिशा को सबसे ज्यादा महत्व दिया जाता है। नियम के हिसाब से इसी दिशा में शंख को रखना चाहिए। ऐसा भी मानते हैं इसी दिशा में भगवान विष्णु भी होते हैं। इस वजह से इस दिशा का हमेशा साफ-सुथरा रहना जरूरी है।

शंख को यहां ना रखें

नियम के हिसाब से शंख को कुछ दिशाओं में तो भूलकर भी नहीं रखना चाहिए। वास्तु शास्त्र के हिसाब से शंख को कभी भी घर की या फिर मंदिर की दक्षिण दिशा की ओर नहीं रखना चाहिए। इस ओर अगर भूलकर भी शंख रख दिया जाए तो इससे नकारात्मकता ही बढ़ती है।

ऐसे करें शंख की सफाई

आमतौर पर ऐसा होता है कि लोग मंदिर में शंख को सही दिशा में रख तो देते हैं लेकिन बाकी नियम को नजरअंदाज कर देते हैं। वास्तु शास्त्र में इस बात का जिक्र है कि शंख की सफाई समय-समय पर करनी जरूरी है। इसे हफ्ते में एक बार जरूर साफ कर लेना चाहिए। साफ करने के लिए गंगाजल का इस्तेमाल करना चाहिए लेकिन अगर ये संभव ना हो पाए तो साफ पानी से इसे साफ करें। अगर घर के मंदिर में शंख को रखा जाए तो इससे कई फायदे मिल सकते हैं। शंख की बजह से घर का वास्तु दोष आराम से खत्म हो जाता है। नियमित रूप से पूजा में इसे बजाया जाए तो नकारात्मकता हमसे कोसों दूर रहती है। वहीं इसकी मौजूदगी से घर में मां लक्ष्मी का वास होता है। साथ ही इसकी एनर्जी से घर में सुख-समृद्धि आती है।

चैत्र नवरात्रि से पहले घर से पहले हटा दें ये चीजें, मां दुर्गा हो जाती हैं नाराज

नवरात्रि का त्योहार बहुत और साधना के लिए होता है। यह त्योहार मां दुर्गा को समर्पित होता है। हिंदू पंचांग के मुताबिक साल में 4 बार नवरात्रि आती है। ये आषाढ़, आश्विन (शारदीय) और माघ महीने में नवरात्र मनाई जाती है। लेकिन इनमें से चैत्र और शारदीय नवरात्रि का खास महत्व होता है और यह पूरे देशभर में बेहद ही पारंपरिक और धूमधाम से मनाई जाती हैं। वहीं, आषाढ़ और माघ की नवरात्रि को गुप्त नवरात्र कहा जाता है। लेकिन आज हम चैत्र नवरात्रि की बात करेंगे, जिसकी शुरुआत चैत्र प्रतिपदा से होती है। इस बार चैत्र नवरात्रि 19 मार्च से शुरू होगी और इसका समापन 9वें दिन गानी 27 मार्च को होगी।

वास्तु के नियमों का रखें ख्याल

नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा अपने भक्तों के घर में रहेंगी। इस दौरान लोग नियम के साथ मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करते हैं। इसी बीच हम आपको बताने जा रहे हैं कि अगर नवरात्रि शुरू होने से पहले आप वास्तु के कुछ नियमों का पालन करते हैं, तो घर में सकारात्मक ऊर्जाओं का संचार होता है और नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है। इतना ही नहीं साधकों पर मां दुर्गा की विशेष कृपा बनी रहेगी। वास्तु के मुताबिक घर में पड़ी कुछ वस्तुएं नकारात्मकता पैदा करती है, जिससे घर की सुख समृद्धि छिन जाती है। ऐसे में इन वस्तुओं को घर से बाहर निकालने में भी गलाई होती है। चलिए जानते हैं कि चैत्र नवरात्रि से पहले घर से कौन सी चीजें बाहर कर देनी चाहिए।

पुरानी व टूटी झाड़ू को हटाएं

झाड़ू एक साफ-सफाई का साधन है, लेकिन ज्योतिष और वास्तु में इसका खास महत्व होता है। मान्यता है कि झाड़ू में मां लक्ष्मी का वास होता है। इसलिए इसे उचित स्थान और दिशा में रखने की सलाह दी जाती है। ऐसे में अगर किसी के घर में पुरानी या टूटी हुई झाड़ू है, तो उसे चैत्र नवरात्रि से पहले लोगों को पुराना और टूटी झाड़ू घर से हटा लेनी चाहिए। अगर आप पुरानी और टूटी झाड़ू को घर से बाहर नहीं हटाते हैं, तो इससे नेगेटिविटी बढ़ती है।

खंडित मूर्तियों हटाएं

वास्तु के मुताबिक अगर पूजा घर या फिर घर में खंडित मूर्तियां हैं, तो उसे चैत्र नवरात्रि से पहले घर से हटा दें। हालांकि इन मूर्तियों को कूड़ेदान या फिर गंदगी वाले स्थान पर ना फेंके। इसे पीपल पेड़ के नीचे रख देना चाहिए, क्योंकि खंडित मूर्तियों की पूजा नहीं की जाती है। इससे विपरीत प्रभाव पड़ता है। वास्तु के मुताबिक घर में कांटेदार पौधे नहीं लगाने चाहिए। इससे घर नेगेटिविटी आती है। अगर घर में ये पौधे हैं, तो चैत्र नवरात्रि से पहले कांटेदार पौधे को भी घर से हटा दें। क्योंकि मां दुर्गा को पवित्र वातावरण पसंद है, इसलिए घर में हरे पौधे लगाएं। इसके अलावा चैत्र नवरात्रि से पहले सूखे और फूल को घर से हटा दें, क्योंकि ये नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करते हैं।

क्या कहते आपके सितारे

मेष मेष- आज आपके मन में कामों को लेकर उलझन रहेगी। किसी दूसरी नौकरी का भी आपको ऑफर आने की संभावना है। परिवार में किसी दूर रह रहे परिजन की आपको याद सता सकती है। आपको अपनी किसी डील को लेकर समझदारी से काम लेना होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई में ढील देने से बचना होगा। आप किसी नए काम में सोच समझकर हाथ बढ़ाए और आपको किसी अजनबी के कहने में आकर इन्वेस्टमेंट करने से बचना होगा।

वृषभ वृषभ- आज आपके रुके हुए काम पूरे होंगे और पारिवारिक रिश्तों में मधुरता बनाए रखने की कोशिश करनी होगी। परिवार में किसी सदस्य के स्वास्थ्य में गिरावट आने से आप परेशान रहेंगे। प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी के साथ अपने रिश्ते में आगे बढ़ने की प्लानिंग करेंगे। आप बिजनेस में कुछ नए उपकरणों को शामिल कर सकते हैं, जिससे आपकी आय भी बढ़ेगी। आपने किसी से धन उधार लिया था, तो वह आपसे वापस मांग सकते हैं।

मिथुन मिथुन- आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। आपको वाहनों के प्रयोग से दूरी बनाकर रखना बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपका कोई विरोधी खड़ा हो सकता है। सांसारिक सुख-भोग के साधनों में वृद्धि होगी। आपको अगनी किसी काम को लेकर दूसरे पर डिपेंड नहीं रहना है। आप संतान के लिए कोई सरप्राइस प्लान कर सकते हैं। आपको किसी के कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा।

कर्क कर्क- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। घर में बड़े बुजुर्गों से आपकी खूब पटेगी। किसी विपरीत परिस्थिति में आपको धैर्य बनाए रखना होगा। आपको अपनी ऊर्जा को सही कामों में लगाना होगा। आप उन्नति की राह पर आप आगे बढ़ेंगे। आपको किसी सदस्य की कोई बात बुरी लग सकती है। आपने यदि कोई बात परिवार के सदस्यों से छुपा कर रखी थी, तो वह उनके सामने उजागर हो सकती है।

सिंह सिंह- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। ससुराल पक्ष से आपको धन लाभ मिलता दिख रहा है। आप किसी प्रॉपर्टी की खरीदारी के लिए कोई लोन अप्लाई कर सकते हैं। पारिवारिक रिश्तों में गलतफहमी उत्पन्न हो सकती है। परस्पर सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। शेयर मार्केट आदि में सोच समझकर इन्वेस्टमेंट करें। आप अपने किसी जरूरी काम को लेकर भागदौड़ में लगे रहेंगे।

कन्या कन्या- आज का दिन व्यवसाय कर रहे लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। आप अपने धन का कुछ हिस्सा गरीबों की सेवा में भी लगाएंगे। आप मौज-मस्ती के मूड में रहेंगे। स्वास्थ्य के प्रति आपको थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता है। यदि आपको कोई शारीरिक कष्ट चल रहा था, तो वह भी दूर होगा। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है।

तुला तुला- आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपके काम समय से पूरे होंगे, जिससे परिवार के सदस्य भी खुश रहेंगे। आप किसी नए वाहन की खरीदारी कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी, जिससे आपको मेहनत भी अधिक करनी होगी। आपको गलत तरीके से धन कमाने से बचना होगा। माताजी को आप किसी धार्मिक कार्यक्रम में लेकर जा सकते हैं।

वृश्चिक वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सेहत के लिहाज से अच्छा रहने वाला है। नौकरी में कार्यरत लोगों को उनके कामों के लिए कोई पुरस्कार मिलेगा और उन्हें प्रमोशन आदि भी मिल सकता है। आप अपनी इनकम को ध्यान में रखकर खर्चों को करें, जिसके लिए आपको बजट बनाकर चलने की आवश्यकता है। आपकी कुछ नये लोगों से मुलाकात होगी। आपको कोई काम को लेकर सुझाव दे सकता है, जिस पर आप सोच समझकर अमल करें।

धनु धनु- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपकी कुछ विशेष व्यक्तियों से मुलाकात होगी। आप किसी नए प्रोजेक्ट को लेकर अपने भाइयों से बात कर सकते हैं। आपको नौकरी में किसी काम को लेकर कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। जीवनसाथी आपसे किसी बात को लेकर नाराज रहेंगे। आपको उनकी भावनाओं को समझना होगा। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा।

मकर मकर- आज का दिन सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आप अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटेंगे। प्रेम संबंधों में नयापन आएगा और आपकी संतान को आप यदि कोई जिम्मेदारी देंगे, तो वह उसे भी आसानी से पूरी कर सकेंगे। छात्रों का पठन-पाठन में खूब मन लगेगा। आपका धार्मिक कामों में आपका खूब मन लगेगा। आपको परिवार में किसी सदस्य की कोई बात बुरी लगेगी, लेकिन फिर भी आप उनसे कुछ नहीं कहेंगे।

कुंभ कुंभ- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। यदि आप अपने कार्यक्षेत्र के कामों में कोई बदलाव कर सके, तो आपके लिए बेहतर रहने वाला है। परिवार के सदस्यों के साथ आपको समय बिताने का मौका मिलेगा। आर्थिक स्थिति भी आपकी थोड़ा कमजोर रहेगी। आपको किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई-लिखाई में ढील देने से बचना होगा।

मीन मीन- आज आपको यदि किसी बात को लेकर क्रोध है, तो भी आप उसमें धैर्य बनाए रखें। कामकाज में आपको अच्छी तरक्की मिलेगी। आपको मानसिक तनाव रहने से आपकी समस्याएं बढ़ेंगी। दोस्तों के साथ भी आपको कुछ समय बिताने का मौका मिलेगा। धन को लेकर आपकी स्थिति अच्छी रहेगी संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपको अपने बेफिजूल के खर्चों पर रोक लगानी होगी।

G. KACHHOMAL
ALL KINDS OF SWEETS & SNACKS
WE ALSO ACCEPT PARTY ORDERS
Raju K.Panjwani - 2531293, 3211365
Rakesh K. Panjwani - 9890359000
Shop No. 132, Opp. Mat Mandir, Ulhasnagar-5.

SHREE Rajaveer FOOD PRODUCTS
T.S.Chandwani
Specialist In :- Bread, Cake & Biscuits
Fact.: Amar Dye Rd., Near Shahad Cabin, Ulhasnagar-1. Tel. 2546079
Office : Baba Sai Nagar, Block A252/504, Ulhasnagar-4. Tel. 2527034

Hotel Ambrosia
Dayanand Shetty
2713001, 2712002, 2712003, 2564257
Opp. Vithalwadi Rly, Station (W), Ulhasnagar-421003.

Hotel VEEJAYS
24 Hours Room service available
Lodging and Boarding
Ulhasnagar Station Road, Burner Galli, Sukhdev Compound, Ulhasnagar-3
Tel. : 02512570009
Mob. : 07083880259

Makhija Construction
25 YEARS Experience
BUILDING QUALITY TRUST
+ Email : makhijaconstruction@gmail.com, makhijaconstruction@hotmail.com
+ Hollywood Apartment, Shop No. 2 & 3, Opp., ICICI Bank, Near Chopra Court, Ulhasnagar-3 Ph.0251-2563555

प्रकाशक, मुद्रक, मालिक संपादक श्री टीकम (टोनी) जे. लालवानी ने जय श्रीकृष्णा प्रिंटिंग प्रेस से छपवाकर मातोश्री मोहिनी बाई पैलेस, बैरक नंबर 427, रूम नंबर 15, निरंकारी हॉल के पीछे, उल्हासनगर-421001, जिला ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया।
RNI No. 68359/93,
(सभी प्रसंगों का न्याय क्षेत्र उल्हासनगर रहेगा)
दैनिक 'धनुषधारी' में छपने वाली विज्ञापनों की सत्यता की जिम्मेदारी हमारी अखबार प्रबंधन की नही है। विज्ञापन में छपने वाले उत्पाद खरीदने, बेचने या किसी भी व्यवसाय या नौकरी लेने-या देने की जिम्मेदारी पाठक की खुद की रहेगी। -प्रबंधन।

छत्रपति शिवाजी महाराज राजस्व समाधान शिविर का शुभारंभ

भिवंडी (नि.सं.) पूरे महाराष्ट्र में राजस्व विभाग की ओर से छत्रपति शिवाजी महाराज राजस्व समाधान शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर के माध्यम से प्रत्येक मंडल अधिकारी कार्यालय के अंतर्गत नागरिकों को विभिन्न प्रकार के प्रमाणपत्र, सातबारा सुधार, फेरफार दुरुस्ती आदि सहित कुल 15 सेवाएं प्रदान की जाएंगी, भिवंडी तहसीलदार कार्यालय के अंतर्गत इस राजस्व समाधान शिविर का शुभारंभ शनिवार को महापुर नारायण चौधरी द्वारा पुलिस सभागृह में किया गया। इस अवसर पर तहसीलदार अभिजीत खोले, नगरसेवक परेश चौधुले, नायब तहसीलदार आदेश म्हात्रे, सभी मंडल अधिकारी, ग्राम महसूल अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

महापौर नारायण चौधरी ने कहा कि भिवंडी शहर और तालुका के आम नागरिक तथा किसान राजस्व विभाग द्वारा दी जा रही इस सुविधा का लाभ उठाकर अपने लंबित कार्यों का समाधान कराएं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि अगले दो महीनों में प्रत्येक मंडल कार्यालय में आयोजित होने वाले इन शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें। तहसीलदार अभिजीत खोले ने बताया कि पूरे राज्य में छत्रपति शिवाजी महाराज राजस्व समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। भिवंडी तालुका के आठ मंडल अधिकारी क्षेत्रों में अगले दो महीनों के दौरान इन शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए गांव स्तर पर जनजागरूकता भी की गई है। उन्होंने नागरिकों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की।

महिला कंडक्टर ने बुजुर्ग को पीटा, वीडियो वायरल

नवी मुंबई (नि.सं.)। सार्वजनिक परिवहन की बसों में सुरक्षित सफर का दावा करने वाला प्रशासन अब सवालों के घेरे में है. उरण-पेण मार्ग पर एसटी बस के भीतर जो हुआ, उसने न केवल मानवता को शर्मसार किया है, बल्कि विभाग के अनुशासन की भी धज्जियां उड़ा दी हैं. महज टिकट के चंद रुपयों या मामूली बहस पर एक महिला कंडक्टर ने जिस तरह एक बुजुर्ग यात्री को पीटा और भद्दी गालियां दीं, उसने यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या सरकारी कर्मचारियों को कानून हाथ में लेने का लाइसेंस मिल गया है? इस घटना ने दो बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं. पहला यह कि यात्रियों के साथ शालीन व्यवहार की ट्रेनिंग देने वाले एसटी विभाग के दावे आखिर धरातल पर कितने खोखले हैं? दूसरा यह कि चलती बस में जब एक बुजुर्ग को बेरहमी से पीटा जा रहा था, तब बस का ड्राइवर और अन्य यात्री महज तमाशा क्यों देख रहे थे? वायरल वीडियो में महिला कंडक्टर का रूप देखकर ऐसा प्रतीत होता है मानो उसे प्रशासन या किसी कार्रवाई का कोई खौफ ही न हो. यह घटना विभाग की कार्यशैली पर एक बदनुमा दाग है. सोशल मीडिया पर इस गुंडागर्दी का वीडियो वायरल होने के बाद अब आम जनता और जागरूक नागरिकों में भारी आक्रोश है. मांग उठ रही है कि महज खानापूर्ति वाली जांच के बजाय, दोषी महिला कर्मचारी को तत्काल निलंबित किया जाए और उस पर आपराधिक मुकदमा दर्ज हो. प्रशासन को अब यह स्पष्ट करना होगा कि क्या वे अपने कर्मचारियों की इस दबंगई का समर्थन करते हैं या फिर पीड़ित बुजुर्ग को न्याय दिलाने के लिए कोई ठोस कदम उठाएंगे? अगर जल्द ही कोई कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो जनता का सरकारी परिवहन सेवा से भरोसा उठना तय है।

महाराष्ट्र में जल्द ही होगी 75 हज़ार पदों पर भर्ती

* डिजास्टर मैनेजमेंट को नई ताकत
* पुलिस को मिलेंगे बॉडी वॉर्न कैमरे

मुंबई (नि.स.)। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के प्रशासन को ज्यादा पारदर्शी, डायनामिक और टेक्नोलॉजी-फ्रेंडली बनाने के लिए 'गुड गवर्नेंस' पर ज़ोर दिया है, और बजट में प्रशासनिक काम में बड़े बदलावों का ऐलान किया है। महायुति सरकार के अब तक 1 लाख 20 हज़ार पदों पर भर्ती पूरी करने के बाद, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ऐलान किया कि और 75 हज़ार खाली पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और साइबर सिक्योरिटी के लिए अलग विभाग और पॉलिसी बनाई जाएंगी। सरकारी काम में आसानी लाने के लिए 'आपले सरकार 2.0', 'मैत्री 2.0' और 'महाडबीटी 2.0' पोर्टल नए सिरे से डेवलप किए जाएंगे। सरकार ने सभी ज़मीन के लेन-देन को कंप्यूटराइज़ करने और ई-ऑफिस के ज़रिए काम को 100 परसेंट 'पेपरलेस' करने का लक्ष्य रखा है। महाराष्ट्र को एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, ड्रोन और डीपटेक के क्षेत्र में ग्लोबल सेंटर बनाने के लिए एक खास पॉलिसी लाई जाएगी। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी के लिए एक अलग विभाग और आयुक्तालय बनाया जाएगा तथा एक अलग इम्प्लीमेंशन टेक्नोलॉजी कैडर बनाया जाएगा। फडणवीस ने कहा कि प्रॉपर्टी के झगड़ों को रोकने के लिए 'महाराष्ट्र लैंड ओनरशिप एक्ट' लागू किया जाएगा।

डिजास्टर मैनेजमेंट को नई ताकत

प्राकृतिक तथा इंसानों की बनाई आपदाओं से निपटने के लिए नागपुर के मिहान में 'स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट' बनाया जाएगा। साथ ही, एनडीआरएफ की तरह राज्य में एसडीआरएफ की चार नई यूनिट तैनात की जाएंगी। इसी तरह, 'महाराष्ट्र जियोटेक्नोलॉजी एप्लीकेशन सेंटर' बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि ट्रैफिक रेगुलेशन और सेफ्टी के लिए इंटेलिजेंस ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को बढ़ाया जाएगा।

पुलिस को मिलेंगे बॉडी वॉर्न कैमरे

बढ़ते साइबर क्राइम को देखते हुए राज्य की एक अलग 'साइबर सिक्योरिटी पॉलिसी' तैयार की जाएगी। साथ ही, नागपुर में एक स्टेट-ऑफ-द-आर्ट 'स्टेट डेटा सेंटर' बनाकर राज्य के डेटा को सुरक्षित किया जाएगा। पुलिस के काम में पारदर्शिता लाने के लिए, पुलिस को अगले तीन सालों में अलग-अलग चरणों में स्टेट-ऑफ-द-आर्ट 'बॉडी वॉर्न कैमरे' दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि नए आपराधिक कानूनों को अच्छे से लागू करने के लिए सभी जिलों में 100 प्रतिशत डिजिटाइज़ेशन और एडवांस्ड लीगल एड सेंटर बनाए जाएंगे।

महाराष्ट्र में 'शहरी स्वास्थ्य आयुक्तालय' से बदलेगी स्वास्थ्य व्यवस्था की सूरत

मुंबई (नि.स.)। महाराष्ट्र सरकार ने बजट में राज्य में विश्व स्तरीय स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं देने के लिए बड़े ऐलान किए हैं। शहरी इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं को मज़बूत बनाने के लिए एक अलग 'शहरी स्वास्थ्य आयुक्तालय' बनाने का फ़ैसला किया गया है, और इसी साल छह देशों की भागीदारी से नवी मुंबई में देश की पहली 'एजुसिटी' बनाई जाएगी। अच्छी स्वास्थ्य सेवा देने के लिए राज्य के 29 महानगरपालिकाओं, 247 नगर पालिकाओं और 147 नगर पंचायतों में 'शहरी स्वास्थ्य आयुक्तालय' काम करेगा। इसके अलावा, सार्वजनिक स्वास्थ्य में रिसर्च के लिए नागपुर में 'महाराष्ट्र स्वास्थ्य सार्वजनिक संस्थान' (एम्स और आईआईएम की तरह) बनाया जाएगा। महात्मा फुले जनआरोग्य योजना के तहत इलाज की संख्या 1,356 से बढ़ाकर 2,399 कर दी गई है, और इससे जुड़े अस्पतालों की संख्या 4,537 हो गई है। ऑगेन ट्रांसप्लांट के लिए 22 लाख रुपये तक का खर्च अब स्टेट हेल्थ गारंटी सोसाइटी के फंड से किया जाएगा। एशियन डेवलपमेंट बैंक की मदद से 4,500 करोड़ रुपये की 'प्रगति योजना' को लागू करके ग्रामीण इलाकों में कैंसर, डायबिटीज और दिल की बीमारी के डायग्नोसिस पर ज़ोर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि 'महाराष्ट्र-डिजिटल हेल्थ टेक्नोलॉजी मिशन' के तहत, हेल्थ सिस्टम को रियल-टाइम डैशबोर्ड के ज़रिए मॉनिटर किया जाएगा।

भूमि अभिलेख कर्मचारियों का कामबंद आंदोलन शुरू, कई लोगों के काम अटके

भिवंडी (नि.सं.) भूमि अभिलेख विभाग के कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगो को लेकर कामबंद आंदोलन शुरू कर दिया है, जिसके कारण जमीन के माप संबंधी कई लोगों का काम रुक गया है. भिवंडी भूमि अभिलेख विभाग के कर्मचारियों ने अपनी मांगों का ज्ञापन सुरेश म्हात्रे और पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कपिल पाटील को सौंपते हुए सरकार तक अपनी मांगें पहुंचाने और उनके समाधान के लिए पहल करने की मांग की है।

भूमि अभिलेख विभाग की लंबित मांगों पर सरकार की ओर से कोई संतोषजनक निर्णय न लिए जाने के कारण कर्मचारियों द्वारा शुरू किए गए कामबंद आंदोलन से कई लोगों के काम प्रभावित हो गए हैं। उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद भी भूमि अभिलेख कर्मचारियों को अब तक तकनीकी वेतनश्रेणी लागू नहीं की गई है। डेढ़ सौ दिनों के कार्यक्रम के दौरान राजस्व मंत्री द्वारा मांगें स्वीकार करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अब तक उसका क्रियान्वयन नहीं किया गया है। जिसके कारण शुक्रवार को राज्यभर में भूमि अभिलेख कार्यालयों के बाहर कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया।

कर्मचारियों की मुख्य मांगों में तकनीकी वेतनश्रेणी लागू करना, संशोधित आकृतिबंध के तहत भूकरमापक और परिरक्षण भूकरमापक के बढ़े हुए पदों को मंजूरी देना, माप कर्मचारियों के लिए निश्चित यात्रा भत्ता तय कर उसे वेतन में शामिल करना, अन्य विभागों के अधिकारियों को पर्यास तकनीकी ज्ञान न होने के कारण उन्हें इस विभाग में स्थानांतरण या प्रतिनियुक्ति न देना तथा विभाग का निजीकरण न करना जैसी कई मांगें शामिल हैं। इन मांगों को लेकर महाराष्ट्र राज्य भूमि अभिलेख कर्मचारी कृती समिति के नेतृत्व में 18 फरवरी से विभिन्न चरणों में आंदोलन किया जा रहा है। इस आंदोलन के तहत माप सामग्री कार्यालय में जमा करना, असहकार आंदोलन, काली पट्टी बांधकर विरोध जताना, सामूहिक अवकाश आंदोलन और आक्रोश आंदोलन करने के बाद अब अनिश्चितकालीन कामबंद आंदोलन शुरू किया गया है। इस आंदोलन के कारण तालुका स्तर पर कई नागरिकों के जमीन माप के काम लंबित हो गए हैं, जिससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है।

महाराष्ट्र में 300 करोड़ पेड़ लगाए जाएंगे

मुंबई (नि.स.)। महाराष्ट्र सरकार ने पर्यावरण संतुलन बनाए रखते हुए राज्य को एनर्जी के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'ग्रीन महाराष्ट्र' पॉलिसी पर ज़ोर दिया है। 2035 तक 65 प्रतिशत एनर्जी ग्रीन सोर्स से पाने का लक्ष्य रखते हुए, बजट में राज्य में 300 करोड़ पेड़ लगाने का बड़ा अभियान चलाने की घोषणा की गई है। आने वाले समय में इस सेक्टर में इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 3 लाख करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री की सोलरघर फ्री बिजली स्कीम में महाराष्ट्र देश में दूसरे नंबर पर है, और अब इस अभियान को और तेज़ी देने के लिए 'स्वर्यपूर्ण महाराष्ट्र रेजिडेंशियल रूफटॉप सोलर स्कीम' को मंज़ूरी दी गई है। इसी तरह, इस स्कीम के तहत ज़ीरो से 100 यूनिट बिजली इस्तेमाल करने वाले 5 लाख बेनिफिशियरी को 635 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। अभी राज्य में 4.57 लाख कंज्यूमर ने 1,735 मेगावॉट कैपेसिटी वाले सोलर सेट लगाए हैं, और सीधे 3,200 करोड़ रुपये की सब्सिडी मिली है। एनर्जी की कमी को दूर करने के लिए 55 'उड़ान' प्रोजेक्ट्स के लिए एग्रीमेंट साइन किए गए हैं। इससे 78,215 मेगावॉट बिजली पैदा करने का लक्ष्य है और 1.28 लाख करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद है। अभी 6 प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू हो गया है, जिससे 10,300 मेगावॉट कैपेसिटी बढ़ेगी। राज्य का इरादा 2029 तक अपनी 50 परसेंट एनर्जी ग्रीन सोर्स से पाने का है।

बल्लारपुर में 'टिम्बर म्यूज़ियम'

राज्य के जंगल के संसाधनों, खासकर सागौन की लकड़ी की विरासत को बचाने के लिए, चंद्रपुर ज़िले के बल्लारपुर में एक 'टिम्बर म्यूज़ियम और ज़ाइलेरियम' बनाया जाएगा। इस सेंटर के ज़रिए सागौन की लकड़ी पर रिसर्च, बचाव और जागरूकता फैलाई जाएगी।

प्लॉट का सपना दिखाकर कथित बिल्डरों ने डकारे 96 लाख रुपये

नवी मुंबई (सनी पांडेय) सपनों का आशियाना और निवेश के लिए सुरक्षित जमीन की तलाश कर रहे मासूम निवेशकों को चूना लगाने वाली एक और बड़ी मछली पुलिस के जाल में फंसी है. सीबीडी बेलापुर स्थित होमलैंड रियल्टर्स के बैनर तले चल रहे निवेश के खेल का भंडाफोड़ हुआ है. कंपनी के संचालकों रविंद्र रोहिदास नायक और दीपा रोहिदास नायक ने मिलकर डोंबिवली की एक महिला सुनंदा खाटपे के साथ 96 लाख 43 हजार रुपये की भारी-भरकम धोखाधड़ी को अंजाम दिया है।

उक्त सुनियोजित ठगी की शुरुआत जुलाई 2021 में बेलापुर के सेक्टर 11 स्थित श्री नंद धाम बिल्डिंग के ऑफिस नंबर 417 में हुई थी. आरोपियों ने उरण के विधणे गांव में सुनहरे भविष्य और प्राइम लोकेशन वाले प्लॉट का झांसा देकर सुनंदा को अपने जाल में फंसाया. भरोसे की आड़ में होमलैंड रियल्टर्स के इन कर्ता-धर्ताओं ने नकद और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए करीब 96 लाख रुपये से ज्यादा की रकम ऐंठ ली. सालों बीत गए, लेकिन न तो जमीन हाथ आई और न ही निवेश किया गया पैसा. जब सुनंदा ने अपने पैसे वापस मांगे, तो उन्हें टालमटोल के अलावा कुछ नहीं मिला. आखिरकार, अपनी मेहनत की कमाई डूबते देख उन्होंने सीबीडी पुलिस का दरवाजा खटखटाया. पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. होमलैंड रियल्टर्स के इस ऑफिस से जुड़े अन्य संदिग्ध लेनदेन और शिकार हुए अन्य लोगों की भी अब बारीकी से तलाश की जा रही है।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के घर के बाहर फायरिंग, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

ठाणे (नि.स.)। ठाणे जिले के मुंब्रा-कौसा इलाके में शनिवार सुबह सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और बिल्डर नदीम मोइनुद्दीन खान उर्फ बाबा खान (45) के घर के बाहर फायरिंग की एक चौंकाने वाली घटना हुई। खान के घर के बाहर खड़ी कार पर अज्ञात हमलावरों ने फायरिंग कर दी, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसके पास से दो पिस्टल, जिंदा कारतूस और मैगज़ीन बरामद की हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार तड़के करीब 4.54 बजे बिट नंबर 3 की पुलिस को मुंब्रा के कौसा इलाके में अस्मान को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी में फायरिंग की कॉल मिली। कॉल मिलने के सिर्फ पांच मिनट बाद बिट मार्शल मौके पर पहुंच गए। उन्होंने जांच टीम के सहायक पुलिस निरीक्षक तेजस सावंत को जांच कर जानकारी दी। इसके बाद सावंत, सहायक पुलिस निरीक्षक सोनवणे और जांच टीम के अधिकारी कुछ ही मिनटों में मौके पर पहुंच गए। जांच के दौरान सामने आई जानकारी के मुताबिक, नदीम मोइनुद्दीन खान उर्फ बाबा खान के घर के बाहर खड़ी कार नंबर एमएच-03-सीएन-5900 पर दो गोलियां चलाई गईं और हवा में भी गोलियां चलाई गईं। इस फायरिंग से कार थोड़ी क्षतिग्रस्त हो गई।

पुलिस पर भी की गई फायरिंग

इस घटना के बाद पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी। इसी बीच, सहायक पुलिस निरीक्षक तेजस सावंत को एक गुप्त जानकारी मिली कि गोली चलाने वाला आरोपी मुंब्रा के आचार गली इलाके में छिपा हुआ है। जिसके बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने जब आरोपी को बाहर आने को कहा, तो उसने दोनों हाथों में पिस्टल लेकर पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। आरोपी स्क्रैप गोदाम से बाहर आया और पुलिस तथा इलाके में मौजूद भीड़ पर फिर से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नियंत्रण रखा। इसके बाद, जब आरोपी भागने की कोशिश करने लगा तो पुलिस ने उसका पीछा किया। इसी दौरान आरोपी ने मुड़कर फिर से फायरिंग की। इस फायरिंग में भीड़ में से एक व्यक्ति के पेट में गोली लगी और दूसरे व्यक्ति के हाथ में चोट लगी। दोनों घायलों को तुरंत इलाज के लिए कालसेकर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। लेकिन पुलिसकर्मियों ने हिम्मत नहीं हारी और उसका पीछा किया। आखिरकार आरोपी को ज़मीन पर गिराकर पुलिस ने पकड़ लिया। इस दरम्यान आरोपी के हाथ में मौजूद एक पिस्टल नीचे गिर गई, जबकि दूसरी पिस्टल में तीन ज़िंदा कारतूस थे और वह फिर से फायर करने वाला था। मगर पुलिस ने फुर्ती दिखाई और उससे दोनों पिस्टल छीन लीं। इस बीच, मौके पर जमा हुए कुछ लोगों ने आरोपी को पीटने की कोशिश की। लेकिन पुलिस ने बीच-बचाव किया और आरोपी को भीड़ के चंगुल से सुरक्षित बाहर निकाला।

आरोपी का आपराधिक इतिहास

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम शाहबाद उर्फ शब्बू मुन्ना शमशाद कुरैशी (28) है और वह मुंब्रा के महापे रोड इलाके के अमीन पैलेस का रहने वाला है। शुरुआती जांच में पता चला है कि वह दिल्ली की तिहाड़ जेल में आठ साल की सज़ा काट चुका है। यह भी पता चला है कि दिल्ली के जाफराबाद इलाके के चार अलग-अलग पुलिस थानों में उसके खिलाफ कई केस दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के पास से दो पिस्टल, चार ज़िंदा कारतूस और चार मैगजीन जब्त की हैं। पुलिस को शक है कि आरोपी ने घटना के दौरान करीब 10 से 12 गोलियां चलाई। बताया गया है कि इस मामले में आरोपी का एक और साथी है जो फिलहाल फरार है। उसकी तलाश के लिए पुलिस ने विशेष टीमें बनाई हैं। इस बीच, पुलिस ने नदीम खान के घर के बाहर कड़ी सुरक्षा कर रखी है और इलाके में हालात फिलहाल नियंत्रण में हैं।

रेलवे के यूटीएस ऐप में गड़बड़ी? टीसी और महिला यात्री में विवाद

मुंबई (नि.स.)। मुंबई की लोकल ट्रेनों में सफर के लिए अब डिजिटल टिकट का इस्तेमाल बढ़ गया है। लेकिन, इसी डिजिटल सुविधा ने पश्चिम रेलवे के विरार रेलवे स्टेशन पर बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। दरअसल विरार रेलवे स्टेशन पर एक टिकट चेकर (टीसी) और एक महिला यात्री के बीच बहस का एक वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह विवाद रेलवे के यूटीएस ऐप और टिकट जांच के तरीके में तकनीकी गड़बड़ी को लेकर शुरू हुआ। वीडियो से यह साफ है कि विवाद तकनीकि दिक्कतों की वजह से शुरू हुआ। महिला यात्री जब एक टीसी को अपना टिकट दिखाकर आगे बढ़ रही थी, तो दूसरे टीसी ने उसे फिर से रोका और टिकट दिखाने को कहा। वह जल्दी में थी, लेकिन मोबाइल पर 'यूटीएस ऐप' ठीक से लोड नहीं हो रहा था।

विवाद तब शुरू हुआ जब टीसी ने जुर्माना लगाने या कार्रवाई करने की बात कही क्योंकि ऐप खुलने में समय लग रहा था। तब गुस्साई महिला यात्री ने पूछा, 'अगर रेलवे का अधिकृत यूटीएस ऐप ठीक से काम नहीं कर रहा है, तो इसमें हमारी क्या गलती है? हम ट्रेन पकड़ने के लिए जल्दी में आते हैं। अगर टिकट दिखाने के तकनीकि प्रक्रिया के दौरान हमारी ट्रेन छूट जाएगी तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है?' इस घटना से यात्रियों में गुस्सा है और उनका कहना है कि उन्हें टिकट चेकिंग के दौरान बेवजह परेशान नहीं किया जाना चाहिए। यात्रियों ने यह भी मांग की है कि तकनीकि दिक्कतों को लेकर रेलवे प्रशासन सही फैसला ले। रेलवे को यूटीएस ऐप को अपडेट करना चाहिए, जो बार-बार क्रैश हो रहा है या धीरे चल रहा है, ताकि चेकिंग के दौरान यात्रियों को बेवजह इंतजार न करना पड़े।

सिक्योरिटी गार्ड की हत्या के जुर्म में आरोपी को उम्रकैद की सज़ा

ठाणे (नि.स.)। ठाणे की एक अदालत ने करीब तीन साल पहले एक अश्लील मैसेज को लेकर हुए झगड़े के बाद एक सिक्योरिटी गार्ड की हत्या के जुर्म में 31 साल के एक शख्स को उम्रकैद की सज़ा सुनाई है। गुरुवार को दिए गए अपने आदेश में, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एस.बी.अग्रवाल ने दोषी संकेत रमेश शेल्के के बड़े भाई सिद्धांत उर्फ सिद्धू रमेश शेल्के (33) को शक का फ़ायदा देते हुए बरी कर दिया।

अतिरिक्त लोक अभियोजक रश्मि क्षीरसागर ने आरोपियों के खिलाफ़ आरोप साबित करने के लिए 11 गवाह पेश किए। वकील सागर कोल्हे ने बचाव पक्ष का प्रतिनिधित्व किया। अभियोजक ने कोर्ट को बताया कि पीड़ित उदय भालचंद्र कदम 8 अप्रैल, 2023 को मुंब्रा इलाके में कुछ और लोगों के साथ अपने दोस्त तुषार दामले का जन्मदिन मना रहा था, तभी दामले की महिला रिश्तेदार को भेजे गए एक आपत्तिजनक मैसेज को लेकर झगड़ा हो गया। लड़ाई के बीच, मौके पर मौजूद संकेत ने कदम पर चाकू से हमला कर दिया। न्यायाधीश अग्रवाल ने गवाहों के बयानों का हवाला देते हुए यह नतीजा निकाला कि 'उसके दिल पर लगी चोट आम तौर पर मौत का कारण बनने के लिए काफी थी।' उन्होंने संकेत को हत्या का दोषी ठहराया, लेकिन न्यायाधीश ने कहा कि रिकॉर्ड में मौजूद सबूतों से यह साबित नहीं होता कि आरोपी सिद्धांत का अपने भाई के साथ जुर्म करने का कोई आम इरादा था। कोर्ट ने संकेत को हत्या का दोषी ठहराया, उसे उम्रकैद की सज़ा सुनाई और उस पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। सिद्धांत, जो अप्रैल 2023 से न्यायिक हिरासत में था, को तुरंत रिहा करने का आदेश दिया गया।

जाहीर नोटिस

इस आम सूचना के माध्यम से मैं आकाश भगवान म्हात्रे आम जनता को सूचित करना चाहता हूँ कि मैं एक प्रापर्टी का सौदा, उस प्रापर्टी के मालिक सर्वश्री 1) श्री काशिनाथ रामा म्हात्रे, 2) श्री नाथा रामा म्हात्रे, 3) श्रीमती नन्दा शंकर म्हात्रे, 4) श्री सागर शंकर म्हात्रे, 5) श्रीमती दोपती काशिनाथ भंडारी, 6) प्रेमाबाई जीवन भोईर, 7) श्रीमती मंजिरी मधुकर हरचकर, 8) श्रीमती कल्पना बाजीराव पाटील, 9) श्रीमती कविता मोहन भोईर, 10) श्रीमती निराबाई बालाराम भोईर व 11) श्रीमती लक्ष्मी रविन्द्र रसाल से करने जा रहा हूं। प्रापर्टी का पूरा विवरण इस प्रकार है- सर्वे नं./हिस्सा नं. 132/11/अ, मौजे-वसार, ता. अंबरनाथ, जि.ठाणे. प्रापर्टी का क्षेत्रफल 0-39-90 पो.ख. 0-26-30 पैकी विकत दिलेले आमच्या हिस्सेचे क्षेत्र 0-42-00. आकार- रू. 2, पै.-68.

अत: इस आम सूचना के माध्यम से आम जनता को सूचित किया जाता है कि ऊपर दर्शायी गयी प्रापर्टी को लेकर किसी भी व्यक्ति/संस्था अथवा अन्य किसी को, किसी भी प्रकार का कोई भी लेना-देना, हक़-वास्ता, वाद-विवाद या किसी भी प्रकार का कोई भी ऐतराज हो तो वे इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 15 (पन्द्रह) दिनों के अंदर नीचे दिये गये पत्ते पर संबंधित कागजातों के साथ लिखित में अपने ऐतराज दर्ज करवा सकते है। 15 (पन्द्रह) दिन बाद आने वाले किसी भी ऐतराज को मान्य नहीं किया जायेगा और ''उपरोक्त प्रापर्टी को लेकर, किसी को भी, किसी भी प्रकार का कोई ऐतराज नहीं है'' यह समझकर प्रापर्टी खरीदी-बिक्री का सौदा पूरा कर लिया जायेगा।

आकाश भगवान म्हात्रे
रूम नंबर 5-9, वसार गांव, कृपा निवास,
म्हात्रे पाड़ा, वसार, मंगरूल, ठाणे - 421301
मो.नं. 7387788344

आम सूचना

इस आम सूचना के माध्यम से मैं राजू विश्वनाथ गुप्ता व रीना राजू गुप्ता आम जनता को सूचित करना चाहते हैं कि हमने श्री राजू दसुमल रोहड़ा व श्रीमती संगीता राजू रोहड़ा से उनकी मालकी वाली प्रापर्टी का सौदा नोटरी सेल एग्रीमेंट सीरियल नंबर 3/68, दिनांक 2/2/2026 के माध्यम से किया है। प्रापर्टी का विवरण है:- शॉप नंबर 3, ग्राउंड व फ्रस्ट फ्लोर, अविनाश कॉम्प्लेक्स, बैरक नंबर 2021, रूम नंबर 19, 20, उल्हासनगर-5 तथा जिसका उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में प्रापर्टी नंबर 56डीआई021570300 है।

उक्त प्रापर्टी को मैं राजू विश्वनाथ गुप्ता व रीना राजू गुप्ता अपने नाम पर करवाने हेतु उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग में अर्ज करने जा रहे हैं। अत: इस प्रापर्टी के संदर्भ में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को किसी भी प्रकार का कोई भी लेना-देना हो या वाद-विवाद हो तो वे इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिनों के भीतर उल्हासनगर मनपा के टैक्स विभाग के उपायुक्त से संबंधित कागजातों के साथ लिखित में संपर्क करें। 7 दिनों बाद आये किसी भी ऐतराज को मान्य नहीं किया जायेगा और चेंज ऑफनेम की यह प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी।

सही:- राजू विश्वनाथ गुप्ता व रीना राजू गुप्ता। (U)